दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-13 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 17 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

राजस्थान के भिवाड़ी में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से 7 कर्मचारी जिंदा जले

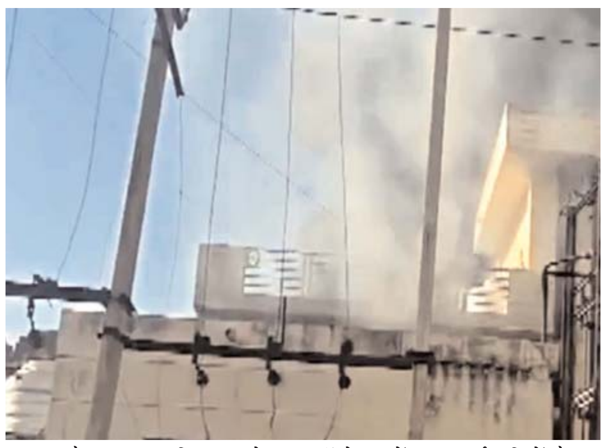

जयपुर (ए.)। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग में सात मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। फैक्ट्री का प्लॉट नंबर जी1/118बी बताया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग अज्ञात कारणों से लगी और फैक्ट्री में मौजूद ज्वलनशील केमिकल्स के कारण कुछ ही समय में तेजी से फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। भिवाड़ी के पुलिस अधीक्षक, तिजारा के डीएसपी शिवराज सिंह और अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र ने घटनास्थल पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की। आग पर काबू पाने के लिए भिवाड़ी, तिजारा और आसपास के क्षेत्रों से कई दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

इसके बाद शुरू किए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में सात कर्मचारियों के शव बरामद किए गए। प्रशासन के मुताबिक, हादसे के समय फैक्ट्री में लगभग 20 से 25 मजदूर काम कर रहे थे। कुछ मजदूर समय रहते बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन कई अंदर ही फंस गए और धुएं व आग की लपटों में झुलसकर उनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र ने सात मौतों की पुष्टि की है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है और परिजनों को सूचित किया जा रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर के बाहर परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने आग लगने के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रारंभिक आशंका शॉर्ट सर्किट या केमिकल रिएक्शन की जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

कांग्रेस को सदन चलाने में नहीं कोई रुचि, छोटे दलों पर दबाव, राहुल गांधी पर भड़के किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कहा कि संसद में स्थिति को सामान्य करने के लिए सरकार कांग्रेस को मनाने का कोई अतिरिक्त कदम नहीं उठाने जा रही है। उन्होंने सदन के सही संचालन के लिए कई प्रयास किए हैं, लेकिन सभी व्यर्थ रहे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी संसद के सुचारू संचालन में रुचि नहीं रखते और कुछ एनजीओ ने उन्हें सिखाया है कि अच्छे दिन उनके पार्टी के लिए आएंगे, इसी कारण वह सदन को रोक रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को एक साक्षात्कार में कहा, राहुल गांधी सदन चलाने में रुचि नहीं रखते। वह मुद्दे बनाने में रुचि रखते हैं।

मणिपुर के सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइज़ेशन के सदस्यों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

मप्र विधानसभा के बजट सत्र की वंदे मातरम् गायन के साथ हुई शुरुआत, राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष का हंगामा

- हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की सोमवार को वंदे मातरम् गायन के साथ शुरुआत हुई। इसके बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल का अभिभाषण हुआ। इस दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में सोमवार को प्रारंभ में संपूर्ण छह छंदों में वंदे मातरम् का गायन हुआ। इसके बाद राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की विकास उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों का उल्लेख किया। साथ ही संकल्प पत्र 2023 में किए गए वादों पर अब तक हुए कार्य और आगामी लक्ष्यों की जानकारी भी दी। सदन में विभिन्न हस्तियों और नेताओं के निधन पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल पटेल ने अभिभाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि देश ऐसी दहलीज पर खड़ा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत काल की संज्ञा दी है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्य प्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य, 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने, पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए कार्यों का उल्लेख किया। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मुद्दा भाषण में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी, हालांकि हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा। उन्होंने विपक्ष के हंगामे के बीच ही अपना अभिभाषण पूरा किया। अभिभाषण समाप्त होने के बाद उस पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पेश किए जाने की जानकारी दी गई। कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि अभिभाषण के दौरान उन्हें उसकी प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई। राज्यपाल के सदन से जाने के बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, जहां विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि जो हिस्सा पढ़ा नहीं जा सका, उसे पढ़ा हुआ माना जाएगा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने सदन की कार्यवाही मंगलवार को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर पुनर्विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट, चुनाव से पहले दुविधा में केरल सरकार

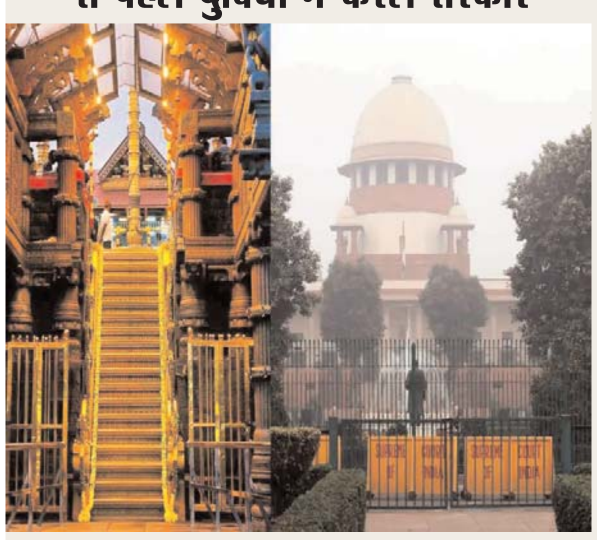

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट आज सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को एंट्री देने वाले फैसले के रिव्यू की मांग करने वाली 67 पिटीशन पर विचार करेगा।चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच बराबरी, आस्था की आजादी और धार्मिक रीति-रिवाजों की जरूरत से जुड़े सवालों की जांच करेगी। केरल में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले सरकार को भी सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री पर अपने स्टैंड को क्लीयर करना होगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सुनवाई के लिए नौ जजों की नई बेंच बनाने के लिए निर्देश जारी कर सकता है। 2019 में बनी पिछली नौ जजों की बेंच अब खत्म हो चुकी है, क्योंकि जस्टिस सूर्यकांत को छोड़कर बाकी सभी मेंबर रिटायर हो चुके हैं।

2016 से प्लानिंग फिर देश में हमलों के लिए बनाया नया आतंकी संगठन, दिल्ली धमाका करने वाले डॉक्टरों पर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के लाल किला के बाहर हुए विस्फोट के मामले में जांच एजेंसियों ने बड़े षड्यंत्र का खुलासा करने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार, तथा कथित 'सफेदपोश' मॉड्यूल से जुड़े कुछ पेशेवरों ने जम्मू-कश्मीर समेत देश के विभिन्न शहरों में आतंकी गतिविधियां फैलाने की साजिश रची थी। जांच में सामने आया है कि इस मॉड्यूल ने 'अंसार इंटरिम' नाम से एक संगठन बनाया था और दिल्ली में हुआ विस्फोट उसी साजिश का हिस्सा बताया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मॉड्यूल से जुड़े कुछ सदस्य वर्ष 2016 से कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित थे और धीरे-धीरे नेटवर्क तैयार कर रहे थे। मामले का खुलासा जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया, जिसके बाद जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी गई।

लेंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार पर आरोप तय, कोर्ट ने कहा- निजी जागीर की तरह किया इस्तेमाल

नई दिल्ली,(ए.)। लेंड फॉर जॉब्स मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को इस बहुचर्चित मामले में लालू यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव समेत कुल 41 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए।

अदालत के इस फैसले के साथ ही अब मामले में नियमित ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे प्रथम दृष्टया संगठित साजिश करार दिया। अदालत ने कहा कि जांच में यह संकेत मिलता है कि रेल मंत्रालय को कथित तौर पर निजी जागीर की तरह इस्तेमाल किया गया और सरकारी

नौकरियों को सौदेबाजी के माध्यम के रूप में उपयोग कर संपत्तियां अर्जित की गईं।अदालत ने जिन प्रमुख आरोपियों पर आरोप तय किए हैं, उनमें लालू प्रसाद यादव (पूर्व रेल मंत्री), राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव के अलावा लालू यादव की बेटियां मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। कुल 41 आरोपियों के खिलाफ अब गवाही और जिरह की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि, अदालत ने 52 अन्य लोगों को इस मामले में राहत देते हुए बरी कर दिया है।नौकरी के बदले जमीन मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। एजेंसी के अनुसार, यह कथित घोटाला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि रेलवे के ग्रुप-डी पदों पर भर्ती के लिए कोई सार्वजनिक विज्ञापन जारी नहीं किया गया और चयनित उम्मीदवारों या उनके परिजनों ने कथित तौर पर लालू परिवार या उनसे जुड़ी कंपनियों के नाम पर कम कीमत में जमीन ट्रांसफर की।

ऑनलाइन मंगवाया था कुट्टू का आटा, 40 से अधिक लोग बीमार; ग्रेटर नोएडा में मचा हड़कंप

नोएडा (आरएनएस)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट (ग्रेनो वेस्ट) की इको विलेज-3, रॉयल कोर्ट और हिमालय प्राइड सोसाइटी में महाशिवरात्रि के व्रत के दौरान कुट्टू का आटा खाने के बाद 40 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकांश लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

निवासियों के अनुसार, रविवार को महाशिवरात्रि का व्रत खोलने के लिए कुट्टू के आटे से बने व्यंजन तैयार किए गए थे। सेवन के कुछ ही देर बाद कई लोगों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चक्कर और हाथ-पैर सुन्न होने जैसी शिकायतें होने लगीं। इको विलेज-3 सोसाइटी में 30 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

हिमालय प्राइड सोसाइटी में भी 15 से अधिक लोगों के बीमार होने की सूचना है। सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि सभी मरीजों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। एक निवासी ने बताया कि उनके परिवार के छह से सात सदस्य भर्ती हैं, जिनमें दो गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं। लोगों का कहना है कि कुट्टू का आटा पास की एक स्थानीय मार्केट की दुकान से ऑनलाइन मंगवाया गया था। आटा पैकेटबंद नहीं, बल्कि खुला था। आशंका है कि उसी के सेवन से फूड प्वाइजनिंग की स्थिति बनी। मामले की सूचना खाद्य विभाग को दे दी गई है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा : 2026 : 12वीं के छात्रों के लिए बड़ा अलर्ट! नंबर सुधारने के नियम में हुआ अहम बदलाव

नई दिल्ली (आरएनएस)। 18 फरवरी से शुरू होने जा रही केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं से ठीक पहले एक बड़ा फैसला सामने आया है। बोर्ड ने 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री (इंप्रूवमेंट) परीक्षा के नियमों में अहम बदलाव किया है। इस नए नियम के लागू होने से देशभर के लाखों परीक्षार्थी सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। अब 12वीं के छात्रों को अपने अंक सुधारने के लिए पहले जैसी सहूलियत नहीं मिलेगी।

तुरंत सिर्फ एक विषय में नंबर सुधारने का मिलेगा मौका

सीबीएसई की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब 12वीं बोर्ड के परीक्षार्थी रिजल्ट आने के तुरंत बाद केवल एक ही विषय में सप्लीमेंट्री या इंप्रूवमेंट परीक्षा दे सकेंगे। इससे पहले छात्रों को रिजल्ट आने के बाद एक से अधिक विषयों में अंक सुधारने के लिए परीक्षा देने की छूट मिलती थी, जो मुख्य परिणाम घोषित होने के लगभग दो महीने के भीतर आयोजित की जाती थी। लेकिन अब इस नियम को सख्त करते हुए तुरंत अंक सुधारने की यह सुविधा केवल एक विषय तक सीमित कर दी गई है।

एक से अधिक विषयों के लिए देना होगा अगले साल का मेन एग्जाम

अगर कोई छात्र एक से अधिक विषयों में अपने नंबर सुधारना चाहता है, तो उसे अब लंबा इंतजार करना होगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि एक से ज्यादा विषयों में इंप्रूवमेंट चाहने वाले छात्रों को अगले साल आयोजित होने वाली मुख्य (मेन) बोर्ड परीक्षा में बैठना होगा। इसका सीधा मतलब यह है कि जो छात्र दो या उससे अधिक विषयों में अपने अंक बढ़ाना चाहते हैं, उन्हें पहले की तरह तुरंत सप्लीमेंट्री परीक्षा देने का विकल्प नहीं मिलेगा।आगामी परीक्षाओं के नतीजों और सप्लीमेंट्री परीक्षाओं को लेकर भी बोर्ड ने टेंटेटिव शेड्यूल साझा कर दिया है। बोर्ड के मुताबिक, मई 2026 में 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम जारी किए जाएंगे। रिजल्ट घोषित होने के बाद सप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए विस्तृत सर्कुलर जारी कर आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। फिलहाल, सीबीएसई ने 12वीं के छात्रों के लिए सप्लीमेंट्री परीक्षा की संभावित तिथि 15 जुलाई 2026 तय की है।सीबीएसई के इस कड़े फैसले के बाद छात्रों के पास अब मुख्य परीक्षा के बाद गलतियों को सुधारने के मौके बेहद सीमित रह गए हैं। एक से अधिक विषयों में नंबर कम आने या खराब प्रदर्शन करने पर छात्रों को अपना पूरा एक साल दोबारा उसी कक्षा की पढ़ाई में लगाना पड़ सकता है।

फिर सलाखों के पीछे पहुंचा डेरा प्रमुख, 40 दिन की पैरोल काटकर सुनारियां जेल लौटा राम रहीम

रोहतक(आरएनएस)। साध्वी यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में सजा काट रहे गुरमीत सिंह की 40 दिन की पैरोल अवधि समाप्त हो गई है। निर्धारित समय पूरा होने के बाद वह रविवार शाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुनारियां जेल पहुंच गया।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह को वर्ष 2017 में पंचकूला स्थित सीबीआई की विशेष अदालत ने दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए 20-20 वर्ष की सजा सुनाई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में भी अदालत ने उसे उम्रकैद की सजा दी थी।

वह तब से रोहतक की सुनारियां जेल में बंद है। पैरोल के दौरान वह निर्धारित शर्तों के तहत सिरसा स्थित डेरे में रहा। पैरोल अवधि पूरी होने पर उसे दोबारा जेल में आत्मसमर्पण करना था, जिसके तहत वह तय समय पर जेल पहुंचा।जेल प्रशासन के अनुसार, पैरोल समाप्त होने के बाद उसकी विधिवत एंट्री की गई और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे बैरक में भेज दिया गया। गुरमीत सिंह को पूर्व में भी अलग-अलग अवधियों के लिए फरलो और पैरोल मिल चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से विधानसभा में सौजन्य मुलाकात की

वकील की हत्या के विरोध में अधिवक्ताओं की हड़ताल से न्यायालय का कामकाज ठप, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग तेज

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार को अधिवक्ताओं ने न्यायालयीन कार्य से विरत रहकर विरोध प्रदर्शन किया। यह कदम शिवपुरी जिले के करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की दिनदहाड़े हत्या के विरोध में उठाया गया। वकीलों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की।अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते न्यायालय में सुनवाई नहीं हो सकी, जिससे दूर-दराज से आए पक्षकारों को निराश लौटना पड़ा। वरिष्ठ अधिवक्ता विजय चौधरी ने कहा कि अधिवक्ताओं पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाना समय की मांग है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भी यह मांग उठाई गई, लेकिन सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई। एडवोकेट देवेंद्र रावत ने कहा कि साथी वकील की हत्या से पूरे प्रदेश में आक्रोश है। उन्होंने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाए और जांच किसी विशेष एजेंसी से कराई जाए, ताकि शीघ्र और निष्पक्ष न्याय मिल सके।

जमानत की आस में इंतजार करती रही मां

हड़ताल का असर आम लोगों पर भी पड़ा। तुलसी राय नामक महिला अपने बेटे की जमानत पर सुनवाई के लिए अदालत पहुंची थीं, लेकिन काम बंद होने की जानकारी मिलने पर मायूस हो गईं। उनका बेटा धोखाधड़ी के आरोप में जेल में है और सोमवार को उसकी जमानत याचिका पर सुनवाई निर्धारित थी। महिला को उम्मीद थी कि कुछ घंटों बाद कामकाज शुरू हो जाएगा, इसलिए वह अपने वकील की टेबल पर बैठकर इंतजार करती रहीं।

नारेबाजी और प्रदर्शन

कोर्ट परिसर में वकीलों ने जमकर नारेबाजी की और अपनी कुर्सियों पर बैठकर काम बंद रखा। उनका कहना था कि जब तक अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

भाड़े के शूटरों ने की थी हत्या

गौरतलब है कि 14 फरवरी को करेरा में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वे कोर्ट जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पुराने विवाद के चलते भाड़े के शूटरों को सुपारी दी गई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शूटरों और कथित साजिशकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है।

400 के.व्ही. इंदौर-नागदा ट्रांसमिशन लाइन में लाइव लाइन मेंटेनेंस

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की इंदौर टीम ने 400 के.व्ही. इंदौर-नागदा महत्वपूर्ण ट्रांसमिशन लाइन पर सफलतापूर्वक लाइव लाइन मेंटेनेंस कार्य कर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। लगभग 200 मेगावाट पॉवर फ्लो वाली चालू लाइन पर यह कार्य संपन्न किया गया, जिससे न केवल ग्रिड की स्थिरता बनी रही, बल्कि 400 के.व्ही. लाइन के संभावित लंबे आउटेज को भी टाला जा सका। एम पी ट्रांसको, इंदौर की अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि विगत दिवस 400 के.व्ही. इंदौर-नागदा लाइन के एक फेज में डिस्क इंसुलेटर स्ट्रिंग को बदलना आवश्यक हो गया था। महाशिवरात्रि पर्व के दौरान ग्रिड की स्थिरता प्रभावित न हो, इस उद्देश्य से कार्य को चालू लाइन में ही करने का निर्णय लिया गया।

व्हीकल-माउंटेड इंसुलेटेड एरियल वर्क प्लेटफॉर्म की सहायता से अत्याधुनिक हॉट-स्टिक उपकरणों और वेयर-हैंड तकनीक का उपयोग करते हुए यह कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आया। लाइव लाइन मेंटेनेंस करने से ग्रिड की विश्वसनीयता और स्थिरता बनी रही। साथ ही संभावित लंबे शटडाउन को टालते हुए इंदौर और नागदा क्षेत्र के बीच विद्युत आदान-प्रदान का विकल्प सुरक्षित रखा गया एवं ट्रांसमिशन चार्ज से संबंधित वाणिज्यिक क्षति से भी बचाव संभव हुआ।

इंदौर के समीप राऊ क्षेत्र में ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस का नेतृत्व सहायक अभियंता राजेन्द्र कनोजे ने किया। भोपाल, इटारसी और इंदौर के वेयर-हैंड प्रशिक्षित लाइन मेंटेनेंस स्टाफ मनाराम पटेल, जाधो पंवार, सुंदरलाल, मधुर मौसम रायकवार, गुलाबराव एवं दीपक कोरी ने समन्वित रूप से कड़े सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अत्यंत सावधानी और दक्षता के साथ यह कार्य संपन्न किया।

पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध और पारदर्शी प्रक्रिया से मिले योजनाओं का लाभ : मंत्री श्री चौहान

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई आयोजित

भोपाल, (निप्र.)।अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराया जाए और छात्रावासों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ कर विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड स्तर पर सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री चौहान अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक ले रहे थे। बैठक में समिति के सदस्य जतारा विधायक हरिशंकर खटीक, पानसेमल विधायक श्याम बरडे, प्रमुख सचिव अनुसूचित जाति कल्याण ई. रमेश कुमार और आयुक्त सौरभ के. सुमन सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अनुसूचित जाति वर्ग के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विधायकगण द्वारा जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में सुझाव प्रस्तुत किए गए।

मजदूर कर रहा था चरस तस्करी, दो लाख के माल सहित गिरफ्तार

भोपाल(ए.)। राजधानी की क्राइम ब्रांच टीम ने एक चरस तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 214 ग्राम चरस व मोबाइल सहित दो लाख से अधिक का माल जप्त किया है। क्राइम ब्रांच एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की मुखबिर से सूचना मिली थी की इंद्रा नगर पंप हाउस के पास बैरागढ़ क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक चरस लेकर खड़ा है, जो उसकी डिलेवरी देने के लिये ग्राहक का इंतजार कर रहा है। खबर मिलते ही टीम ने मौके पर पंहुचकर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान रंजीत मारन उर्फ भूरा (23) निवासी ग्राम बिसनखेड़ी थाना गांधी नगर, हाल पता बैरागढ़ के रुप में हुई। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास 2 लाख 14 हजार कीमत का चरस रखा बरामद हुआ।

मध्य प्रदेश में 18 फरवरी को बदलेगा मौसम

ग्वालियर-चंबल समेत उज्जैन संभाग में बारिश के संके

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 18 और 19 फरवरी को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है। ग्वालियर-चंबल और सागर संभाग के साथ उज्जैन संभाग के कुछ जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी हुई है। इसका असर मध्य प्रदेश में हल्के बादलों के रूप में देखा गया। 16 फरवरी से एक नया सिस्टम उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा, जिसका असर मध्य प्रदेश पर भी पड़ेगा। फिलहाल प्रदेश में हल्की सर्दी बनी रहेगी। रात और सुबह ठंड का एहसास रहेगा। अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से ऊपर रहेगा, जबकि दिन में तापमान 30 डिग्री के पार जा सकता है। मौसम विभाग ने 18 और 19 फरवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और नीमच जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं राजधानी भोपाल और इंदौर में बादल छाए रहने की संभावना है।रविवार को प्रदेश में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिला। खंडवा और खरगोन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया।

सभी तहसीलदार आगामी दिवस में नामांतरण का करें निराकरण - श्री सिंह

भोपाल,(ए.)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अधिकारियों को आगामी दिवस में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों के प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए।श्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक शिकायत की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा शिकायतों का संतोषजनक और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे जिले की रैंकिंग में सकारात्मक सुधार लाया जा सके। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, समाधान ऑनलाइन और सीएम डैशबोर्ड पर लंबित शिकायतों के समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी विभाग में 80 प्रतिशत से कम शिकायतों का निराकरण स्वीकार्य नहीं होगा।

दीन-दुखियों की सेवा का संकल्प प्रेरणादायी और अनुकरणीय : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल (ए.)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा का संकल्प प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। खरगौन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने माता-पिता के

संस्कारों से प्रेरित होकर जो सेवा का संकल्प लिया है, वह अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने सुशीला देवी उमराव सिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिये निरंतर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को बडवानी के भिलट देव धाम, ग्राम नागलवाड़ी में सुशीला देवी उमरावसिंह पटेल सेवा संस्थान द्वारा सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन एवं टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं पोषण आहार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम से पूर्व स्थानीय भिलट देव धाम पहुँचकर पूजा-अर्चना भी की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि संस्था द्वारा टी.बी. रोगियों को पोषण आहार वितरण, सिकल सेल जांच, व्यापक जागरूकता तथा विभिन्न प्रकार की जांच-परामर्श आदि सेवाएँ नि:शुल्क प्रदान करना गरीब, वंचित और जरूरतमंदों की बडी मदद है।

किन्नर धर्म सम्मेलन में 60 किन्नरों की घर वापसी का दावा

- हिमांगी सखी को पहली किन्नर शंकराचार्य के रूप में अभिषिक्त किया

भोपाल (ए)। राजधानी में महाशिवरात्रि पर किन्नर धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हिमांगी सखी को देश की पहली किन्नर शंकराचार्य के रूप में अभिषिक्त किया गया। वहीं पुष्कर को पहली किन्नर शंकराचार्य पीठ घोषित किया गया। सम्मेलन में चार जगद्गुरु और पांच महामंडलेश्वरों की घोषणा भी की गई। आयोजन के दौरान 60 धर्मांतरित किन्नरों की 'घर वापसी' का दावा किया गया है। महाशिवरात्रि के अवसर पर राजधानी भोपाल धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से अहम घटनाक्रम का साक्षी बना। किन्नर वैष्णव अखाड़ा द्वारा आयोजित किन्नर धर्म सम्मेलन में हिमांगी सखी को देश की पहली किन्नर शंकराचार्य के रूप में विधिवत अभिषिक्त किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और संत-महात्माओं की उपस्थिति में संपन्न इस समारोह ने किन्नर समाज के भीतर धार्मिक नेतृत्व को नई पहचान दी।आयोजकों के अनुसार राजस्थान स्थित पुष्कर को पहली किन्नर शंकराचार्य पीठ के रूप में

स्थापित किया गया है। हिमांगी सखी, जो मां वैष्णो किन्नर अखाड़ा की प्रमुख और पहली किन्नर भागवत कथा वाचक के रूप में जानी जाती हैं, अब इसी पीठ से धार्मिक दायित्व निभाएंगी। वे पहले महामंडलेश्वर और जगद्गुरु पद पर भी रह चुकी हैं। कार्यक्रम में किन्नर परंपरा के तहत चार जगद्गुरु और पांच महामंडलेश्वरों की भी घोषणा की गई। भोपाल, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों से प्रतिनिधियों की मौजूदगी में नई धार्मिक संरचना का ऐलान किया गया। आयोजन में किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास समेत कई संत उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान आयोजकों ने 60 धर्मांतरित किन्नरों की पुन: हिंदू धर्म में वापसी का दावा भी किया। मंच से कहा गया कि शुद्धिकरण प्रक्रिया के बाद उन्होंने सनातन परंपरा को दोबारा स्वीकार किया है। हालांकि इस दावे की प्रशासनिक पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं हो सकी है। पट्टाभिषेक के बाद हिमांगी सखी ने किन्नर समाज को संगठित करने और देशभर में पीठों की स्थापना की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि शंकराचार्य पद को लेकर यदि किसी को आपत्ति है तो वे शास्त्रार्थ के लिए आमंत्रित हैं। उनके कुछ बयानों के बाद कार्यक्रम धार्मिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया।

बीएलओ से सीईओ तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं, सभी की भूमिका महत्वपूर्ण : पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री रावत

म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग को निर्वाचन आयोगों का कहा जाता है वर्ल्ड बैंक : राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव

भोपाल (ए.)। बीएलओ से लेकर चीफ इलेक्शन ऑफिसर तक सभी इलेक्शन कमीशन हैं। निर्वाचन में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। भारत निर्वाचन आयोग के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओ.पी. रावत ने यह बात सोमवार को प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह में कही। श्री रावत ने वन नेशन-वन इलेक्शन में स्थानीय निर्वाचन की भूमिका विषय पर बोलते हुए कहा कि इस पर चर्चा 2015 में शुरू हई थी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इसमें सहमति व्यक्त की गयी थी।

राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी

श्री रावत ने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन को लागू करने पर भी राज्य निर्वाचन आयोग जरूरी होंगे। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव इनके माध्यम ही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि वन नेशन-वन इलेक्शन का ड्राफ्ट जरूर मंजूर होगा। श्री रावत ने माडल कोड ऑफ कंडक्ट के बारे में भी विस्तार से चर्चा की।

चुनाव, चुनाव होता है, चाहे वह लोकसभा का हो या पंचायत का

पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आर. परशुराम ने स्थानीय निर्वाचन में सुधार की चुनौती विषय पर कहा कि हर वोट-हर निकाय महत्वपूर्ण है। श्री परशुराम ने कहा कि चुनाव, चुनाव होता है, चाहे वह लोकसभा का हो या पंचायत का। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में प्रिपेयर, प्रिपेयर और प्रिपेयर के फार्मूले का हमेशा पालन करना चाहिए। नवीनतम तकनीकों के उपयोग से घबराना नहीं चाहिए। म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग तुलनात्मक रूप से अधिक अधिकार संपन्न है। विभागाध्यक्ष दैनिक भास्कर स्कूल ऑफ जर्नलिज्म नरेन्द्र कुमार सिंह ने जमीनी लोकतंत्र में पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव विषय पर 1952 के प्रथम लोकसभा निर्वाचन से लेकर वर्तमान लोकसभा निर्वाचन तक के अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि सन 1977 के चुनावों ने सिद्ध कर दिया कि देश में मतदाता बहुत हुए जागरूक हैं और लोकतंत्र में आस्था मजबूत हुई। श्री सिंह ने बताया कि ब्रिटेन में वर्ष 1928 में सभी को मताधिकार मिला जबकि भारत ने स्वतंत्र होने के साथ ही सभी को मताधिकार (युनिवर्सल एडल्ट फ्रेंचाइज) दिया।वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने स्थानीय निर्वाचन में न्यायालीन सबक विषय पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि संविधान एक जीवंत ग्रंथ है। उन्होंने निर्वाचन से संबधित कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोगों की पिछली बैठक में मध्यप्रदेश को राज्य निर्वाचन आयोगों का वर्ल्ड बैंक कहा गया। उन्होंने श्री रावत, श्री परशुराम, श्री सिंह और श्री सेठ के द्वारा किये गये कार्यों का उल्लेख किया। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि यह समारोह विशेष इसलिए भी है, क्योंकि सभी उपस्थित अतिथियों ने निर्वाचन की यात्रा को प्रेरणा और दिशा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल टेक्नॉलोजी में श्री परशुराम ने मध्यप्रदेश को पॉयनियर बना दिया है।

भोपाल जिले की जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

होटल के कमरे में छात्रा ने की आत्महत्या

शिवपुरी (ए.) शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र स्थित युवराज होटल के एक कमरे में 20 वर्षीय छात्रा ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती को उसका मित्र गंभीर अवस्था में निजी एमएम हॉस्पिटल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी है और युवक को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार, सेसई निवासी नैनसी राठौर (20) शहर के एक शासकीय कॉलेज में पढ़ती थी। वह अपने गांव के रहने वाले अंकुश रावत के साथ युवराज होटल पहुंची थी। बताया जा रहा है कि होटल के कमरे में दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद नैनसी ने फांसी लगा ली। अंकुश रावत नैनसी को तत्काल एमएम हॉस्पिटल ले गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल प्रबंधन को यह मामला संदिग्ध लगा, जिस पर उन्होंने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस ने फिजिकल थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है

हज 2026 के प्रभारी द्वारा हाजियों के लिए आयोजित किया गया टीकाकरण और ट्रेनिंग कैंप

बुरहानपुर (ए.)। मध्य प्रदेश हज कमिटी की ओर से हज 2026 की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। शहर के भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष एवं अधिवक्ता फरीद अहमद खान को हज 2026 का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के साथ ही हज यात्रियों की सुविधाओं और मार्गदर्शन के लिए विशेष व्यवस्थाएँ प्रारंभ कर दी गई हैं। प्रभारी फरीद अहमद खान के नेतृत्व में मंगलवार, 17 फरवरी को स्थानीय दानिश स्कूल परिसर में हज ट्रेनिंग एवं टीकाकरण कैंप का आयोजन किया जाएगा। जिसकी निगरानी शाही जामा मस्जिद के मूतवल्ली सैयद मोहम्मद अनवर अल्लाह बुखारी तथा अध्यक्षता शेख अब्दुल कादिर साहब पूर्व सेल्स मैनेजर कोका-कोला मदीना मुनववीरा के द्वारा की जाएगी वही इस कैंप के मुख्य वक्ता अलहाज हाफिज रईस साहब होंगे इस कैंप का उद्देश्य जिले से हज यात्रा पर जाने वाले सभी पुरुष एवं महिला हाजियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना तथा अनिवार्य टीकाकरण की प्रक्रिया पूर्ण कराना है।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2026 में हज कमेटी के 130 तथा तौर से 15 हाजी साहिबान हज के लिए रवाना होंगे जिसमें महिला हाजी 64 पुरुष हाजी 66 होगी महिलाओं के लिए ट्रेनिंग एवं टीकाकरण की व्यवस्था पृथक-पृथक की जाएगी, ताकि सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। प्रशिक्षण सत्र में हज के दौरान किए जाने वाले अरकान, यात्रा संबंधी दिशा निर्देश, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियाँ तथा सऊदी अरब में पालन किए जाने वाले नियमों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

टीकाकरण कैंप में आवश्यक वैक्सीनेशन किया जाएगा, जिससे हाजियों की यात्रा सुरक्षित और स्वस्थ तरीके से सम्पन्न हो सके। मध्य प्रदेश हज कमिटी का यह प्रयास हाजियों को बेहतर मार्गदर्शन और सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

अपनी मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सांसद कार्यालय का घेराव कर जताया विरोध

सागर,(ए.)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने उग्र प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुई महिलाओं ने मकरोनिया स्थित सागर सांसद डॉ लता वानखेड़े के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और अपनी व्यथा सुनाई गई। शहर और ग्रामीण इलाकों से आई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं बड़ी संख्या में मकरोनिया चौराहे पर एकत्रित हुईं। यहाँ से रैली के रूप में वे सांसद कार्यालय पहुंचीं। प्रदर्शन के कारण मकरोनिया क्षेत्र में कुछ समय के लिए गहमागहमी की स्थिति बनी रही। महिलाओं का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैं, लेकिन प्रशासन और सरकार उनकी सुध नहीं ले रहे।

साध्वी ऋतंभरा ने मां पीतांबरा के दर्शन कर किया पूजन

दतिया,(ए.)। देश की जानी-मानी ओजस्वी वक्ता, प्रमुख हिंदू राष्ट्रवादी नेत्री एवं विश्व हिंदू परिषद की महिला शाखा दुर्गा वाहिनी की संस्थापक-अध्यक्ष साध्वी ऋतंभरा सोमवार को दतिया पहुंचीं। यहां उन्होंने सिद्धपीठ मां पीतांबरा पीठ में विधिवत दर्शन-पूजन किया। इसके पश्चात साध्वी ऋतंभरा ने भगवान बनखंडेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर देश और समाज की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।

साध्वी ऋतंभरा के दतिया आगमन की सूचना मिलते ही मां पीतांबरा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर "जय मां पीतांबरा" और "हर-हर महादेव" के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं में साध्वी ऋतंभरा के दर्शन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।उनके आगमन को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे दर्शन-पूजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।साध्वी ऋतंभरा का यह दतिया दौरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और हिंदू एकता के सशक्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है। उनके विचारों और संदेशों से श्रद्धालुओं में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ।

बीना रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था उजागर : 3 साल में 9 करोड़ का सफाई टेंडर, फिर भी गंदगी कायम

बीना,(ए.)। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को बीना रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य निलेश कुमार श्रीवास्तव और दिनेश पुरोहित शामिल रहे। इस दौरान स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) आशीष अवस्थी और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सुधीर साहू भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के बाहर स्थित टिकट काउंटर क्षेत्र में भारी गंदगी पाई गई। आसपास पशुओं की मौजूदगी भी देखी गई। टिकट वेंडिंग मशीन बंद मिली। अधिकारियों ने जानकारी दी कि सफाई के लिए तीन शिफ्ट में कर्मचारियों की तैनाती है, लेकिन निरीक्षण के समय एक भी कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं मिला। इस पर समिति सदस्यों ने नाराज़गी जताई।

जेएच कॉलेज बना राज्य स्तरीय अंतर विश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता का केंद्र

पुरुष वर्ग में इंदौर, उज्जैन, रीवा और भोपाल संभाग की टीम ने सेमीफाइनल के लिए किया क्वालीफाई

बैतूल (ए.)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज की मेजबानी में 16 से 18 फरवरी तक चलने वाली महिला एवं पुरुष राज्य स्तरीय अंतरविश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि घनश्याम मदन के आतिथ्य तथा भूतपूर्व खिलाड़ी महेंद्र तोमर के विशेष आतिथ्य में हुआ। समारोह के पूर्व मध्यप्रदेश के 11 संभागों से आए खिलाड़ियों के दल द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीलिमा पीटर द्वारा राज्य स्तरीय अंतरविश्वविद्यालयीन पिट्ठू प्रतियोगिता के आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय पारंपरिक खेलों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा महाविद्यालयीन खेल गतिविधियों में भारतीय पारंपरिक खेल 'पिट्ठू'को शामिल करना सराहनीय पहल है। इससे भारतीय खेल संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खिलाड़ियों का श्रेष्ठ प्रदर्शन 'पिट्ठू'को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीनाक्षी चौबे ने सभी खिलड़ियों को शुभकामनायें देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि सामाजिक समरसता और टीम भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं। इस अवसर पर डॉ. अनीता तिवारी, डॉ. धर्मेंद्र कुमार एवं डॉ. पल्लवी दुबे ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. संतोष पवार तथा आभार अभिनीत सरसोदे ने व्यक्त किया।

सायबर धोखाधड़ी पीड़ितों के लिये पहल

सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क शुरु

जबलपुर (ए.)। शहर में बढ़ते साइबर अपराध, लोगों में जागरूकता की कमी और गोल्डन आवर में पुलिस के त्वरित रिस्पॉन्स की जरूरत को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने जिले के सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क संचालित करने के आदेश जारी किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध) जितेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में सभी थाना अधिकारियों और कर्मचारियों को साइबर हेल्प डेस्क संचालन से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक उपाध्याय ने स्वयं रांझी थाना पहुंचकर साइबर हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, प्रत्येक थाने में प्रशिक्षित कर्मचारी साइबर हेल्प डेस्क का संचालन करेंगे। यहां साइबर फ्रॉड, सोशल मीडिया से जुड़े अपराध और मोबाइल गुम होने जैसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार समाचार

फास्टैग यूजर्स अलर्ट : टोल प्लाजा पर एक गलत स्कैन से खाली हो जाएगा बैंक खाता, एनएचएआई ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली (ए.)। देशभर में फास्टैग का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों वाहन मालिकों पर इन दिनों साइबर ठगों की पैनी नजर है। डिजिटल टोल भुगतान की बढ़ती लोकप्रियता का फायदा उठाते हुए अपराधी फर्जी वेबसाइटों और नकली क्यूआर (QR) कोड के जरिए लोगों की गाढ़ी कमाई उड़ा रहे हैं। इस बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने सभी वाहन चालकों को अलर्ट करते हुए केवल आधिकारिक प्लेटफॉर्म का ही इस्तेमाल करने की सख्त हिदायत दी है।

इस तरह काम करता है ठगी का यह नया नेक्सस

साइबर अपराधी वाहन चालकों को फंसाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। लोगों के मोबाइल पर अचानक फास्टैग का बैलेंस कम होने, अकाउंट ब्लॉक होने, केवाईसी (KYC) अपडेट करने या सस्ते वार्षिक पास का लालच देने वाले फर्जी एसएमएस या व्हाट्सएप मैसेज भेजे जाते हैं। इन मैसेजों में तुरंत रिचार्ज करने के लिए एक लिंक या क्यूआर कोड दिया जाता है। जब कोई यूजर इस लिंक पर क्लिक करता है, तो उसे हूबहू असली सरकारी पोर्टल जैसी दिखने वाली एक नकली वेबसाइट पर भेज दिया जाता है। वहां फास्टैग आईडी, वाहन नंबर, मोबाइल नंबर और ओटीपी (OTP) जैसी संवेदनशील जानकारियां मांगकर ठग चंद सेकंड में बैंक खाते से पैसे उड़ा लेते हैं।

टोल प्लाजा के साइनबोर्ड्स पर भी चिपकाए जा रहे हैं फर्जी क्यूआर कोड

हैरानी की बात यह है कि अपराधी अब सीधे टोल प्लाजा को भी निशाना बना रहे हैं। कई मामलों में टोल प्लाजा के साइनबोर्ड पर फर्जी क्यूआर कोड के स्टिकर चिपका दिए जाते हैं और जल्दबाजी में ड्राइवर इन्हें असली समझकर स्कैन कर लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनवरी 2026 में दिल्ली के एक सेल्स प्रोफेशनल के साथ ठीक ऐसा ही हुआ। उन्होंने टोल प्लाजा के पास लगे एक क्यूआर कोड को स्कैन किया और कुछ ही मिनटों में उनके खाते से 5,000 रुपये कट गए। साल 2025 के अंत से इस तरह के मामलों में काफी तेजी देखने को मिली है, जिसमें पैसों के नुकसान के साथ-साथ फास्टैग अकाउंट के दुरुपयोग का भी बड़ा खतरा रहता है।

फर्जीवाड़े से बचने के लिए इन बातों का रखें खास ध्यान

इस तरह की धोखाधड़ी से बचने का सबसे कारगर तरीका सतर्कता है। फास्टैग रिचार्ज करने के लिए हमेशा आधिकारिक बैंक ऐप, सरकारी पोर्टल या किसी भरोसेमंद मोबाइल ऐप का ही इस्तेमाल करें। किसी भी अनजान वेबसाइट का पता यानी यूआरएल (ऋ) हमेशा ध्यान से जांच लें, क्योंकि नकली वेबसाइटों के डोमेन नेम में अक्सर मामूली सा बदलाव होता है। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों या किसी अनजान मैसेज से मिले क्यूआर कोड को स्कैन करने की गलती बिल्कुल न करें। अपना ओटीपी, पिन या बैंक डिटेल्स किसी के साथ साझा न करें, क्योंकि कोई भी आधिकारिक एजेंसी कभी भी मैसेज या कॉल पर ये जानकारियां नहीं मांगती है। सुरक्षित लेनदेन के लिए अपने बैंक के एसएमएस और ईमेल अलर्ट हमेशा चालू रखें।

ठगी का शिकार होने पर तुरंत उठाएं ये कदम

तमाम सावधानियों के बावजूद अगर आपको लगता है कि आप साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं, तो तुरंत अपने बैंक से संपर्क करें और अपना फास्टैग वॉलेट या बैंक अकाउंट ब्लॉक करवा दें। इसके साथ ही बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं और स्थानीय पुलिस को भी मामले की सूचना दें। किसी भी तरह की तत्काल मदद या फास्टैग से जुड़ी परेशानी के लिए आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर 1033 पर भी तुरंत संपर्क किया जा सकता है।

एआई में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत के पास सभी जरुरी तत्व : सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली (ए.)। भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में बढ़ती भूमिका को बड़ी सराहना देते हुए ओपेनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने भारत को संभावित फुल-स्टैक एआई लीडर बताया है। उन्होंने देश में कंपनी की मौजूदगी और साझेदारियों को और बढ़ाने की योजना की भी घोषणा की है।

उनकी यह टिप्पणी 16 फरवरी से नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हो रहे ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले आई है।

एक मीडिया लेख में ऑल्टमैन ने कहा कि भारत अमेरिका के बाद ओपेनएआई का दूसरा सबसे बड़ा यूजर बेस बन गया है।

उन्होंने बताया कि भारत में अब चैटजीपीटी के 10 करोड़ साप्ताहिक सक्रिय यूजर्स हैं। साथ ही, छात्रों की संख्या के मामले में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है।

भारत, ओपेनएआई के मुफ्त वैज्ञानिक शोध और लेटेक्स आधारित सहयोग टूल प्रिज्म के उपयोग में दुनिया में चौथे स्थान पर है।

ऑल्टमैन ने कहा कि ओपेनएआई का लक्ष्य भारत में, भारत के साथ और भारत के लिए एआई का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने अपने कई टूल्स मुफ्त में उपलब्ध कराए हैं, ताकि आय, शिक्षा या तकनीकी जानकारी की कमी किसी के लिए भी बाधा न बने।

पिछले साल ओपेनएआई ने दिल्ली में अपना पहला कार्यालय खोला था और इस साल अपनी मौजूदगी को और विस्तार देने की योजना बना रहा है।

यूपीआई से लेनदेन में बढ़त के बाद भी देश में तेजी से बढ़ रहा मुद्रा का चलन, सर्कुलेशन 40 लाख करोड़ रुपए पहुंचा : रिपोर्ट

मुंबई (ए.)। देश में करेंसी सर्कुलेशन जनवरी 2026 के अंत तक बढ़कर रिकॉर्ड 40 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है। इसमें सालाना आधार पर 11.1 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 5.3 प्रतिशत थी। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में बताया गया कि जनता के पास करेंसी (सीडब्ल्यूपी) की हिस्सेदारी कुल करेंसी सर्कुलेशन में 97.6 प्रतिशत (करीब 39 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में यूपीआई के कारण डिजिटल लेनदेन तेजी से बढ़ा है और इससे कैश-टू-जीडीपी रेश्यो में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।रिपोर्ट के मुताबिक,देश में एक महीने में होने वाले यूपीआई लेनदेन की वैल्यू करीब 28 लाख करोड़ रुपए है, जो कि देश के कुल करेंसी स्टॉक का करीब 70 प्रतिशत है, जो कि दिखाता है कि देश में बड़ी संख्या में लोग डिजिटल पेमेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।वहीं, देश का कैश-टू-जीडीपी रेश्यो वित्त वर्ष 26 में कम होकर 11 प्रतिशत हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 21 में 14.4 प्रतिशत पर था।रिपोर्ट में कहा गया है, करेंसी और जीडीपी में परिवर्तन की दिशा भले ही एक जैसी हो, लेकिन जीडीपी की वृद्धि को अब नकदी के बजाय यूपीआई के माध्यम से अधिक हो रही है। सीआरआर में कटौती के कारण चालू वित्त वर्ष में आरबीआई के पास बैंकर्स डिपॉजिट में 1.86 लाख करोड़ रुपए की कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप रिजर्व मनी की वृद्धि घटकर 5.8 प्रतिशत रह गई।

एसबीआई रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के बीच बैंकों में जमा और ऋण लगभग तीन गुना बढ़ गए, जो बैंकिंग प्रणाली के सुदृढ़ीकरण और ऋण मध्यस्थता में सुधार का संकेत है।

वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 2025 के दौरान जमा राशि 85.3 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 241.5 लाख करोड़ रुपए हो गई और ऋण 67.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 191.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

ओपेनएआई ने बंद किया जीपीटी-4 मॉडल, दुनिया भर में यूजर्स कर रहे विरोध

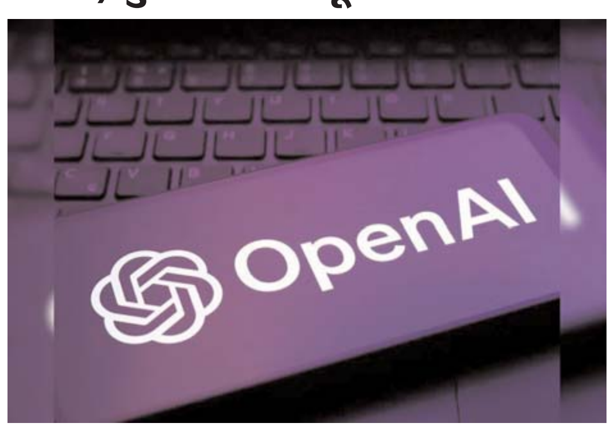

नई दिल्ली (ए.)। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपेनएआई ने अपने चैटजीपीटी ऐप से जीपीटी-4O एआई मॉडल को हटा दिया है। इस फैसले के बाद दुनिया भर में कई यूजर्स, खासकर चीन में, काफी भावुक हो गए हैं। वायर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोग इस चैटबॉट को सिर्फ एक टूल नहीं बल्कि अपना इमोशनल या रोमांटिक साथी मानते थे।

अगस्त 2025 में ओपेनएआई ने पहली बार जीपीटी-4O मॉडल को बंद करने की कोशिश की थी। यह वही मॉडल था जिसे कई यूजर्स उसके बाद आए नए वर्जन से ज्यादा प्यार भरा और समझदार मानते थे। जब कंपनी ने इसे हटाने की घोषणा की, तो तुरंत विरोध शुरू हो गया।

विरोध के बाद ओपेनएआई ने जीपीटी-4O को दोबारा ऐप में पेड यूजर्स के लिए उपलब्ध करा दिया था। लेकिन यह राहत ज्यादा समय तक नहीं रही। 13 फरवरी को कंपनी ने फिर से जीपीटी-4O को ऐप से हटा दिया और रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले सोमवार से डेवलपर्स के लिए भी इसकी एपीआई एक्सेस बंद कर दी जाएगी।

सिराक्यूज यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता हुईकियान लाई ने अगस्त में जब यह मॉडल पहली बार ऑफलाइन हुआ था, तब एक्स (पहले ट्विटर) पर लगभग 1,500 पोस्ट का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि 33 प्रतिशत से ज्यादा पोस्ट में लोगों ने चैटबॉट को सिर्फ एक टूल नहीं, बल्कि कुछ खास बताया। वहीं 22 प्रतिशत पोस्ट में इसे एक साथी (कंपैनियन) की तरह बताया गया।

लाई ने अगस्त से अक्टूबर के बीच सकीप 4O हैशटैग के साथ किए गए 40,000 से ज्यादा अंग्रेजी पोस्ट भी इकट्ठा किए। चेंज.ओआरजी पर जीपीटी-4O को वापस लाने की मांग करते हुए एक याचिका भी शुरू की गई, जिस पर 20,000 से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

चीन में भी जीपीटी-4O के कई समर्पित यूजर्स एकजुट होकर दुख जाहिर कर रहे हैं। हालांकि चीन में चैटजीपीटी ब्लॉक है, फिर भी कई लोग वीपीएन के जरिए इसका इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ यूजर्स चैटजीपीटी की अपनी सब्सक्रिप्शन रद्द करने की धमकी दे रहे हैं। वे खुले तौर पर ओपेनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन की आलोचना कर रहे हैं और माइक्रोसॉफ्ट व सॉफ्टबैंक जैसे निवेशकों को ईमेल भी लिख रहे हैं। हालांकि ओपेनएआई का कहना है कि डेवलपर्स अभी भी जीपीटी-4O के बेस मल्टीमॉडल मॉडल को एपीआई कॉल के जरिए इस्तेमाल कर सकेंगे। लेकिन फैंस का मानना है कि यह जीपीटी-4O-लेटेस्ट के मुकाबले कमजोर है। जीपीटी-4O-लेटेस्ट एक टेक्स्ट-ओनली वर्जन है, जिसे ज्यादा संवादात्मक और बेहतर माना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, कई चीनी फैंस ओपेनएआई और सैम ऑल्टमैन से नाराज हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कंपनी सकीप 4O कम्युनिटी की भावनाओं को कम महत्व देती है और शायद ही कभी उन्हें स्वीकार करती है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ताकाइची का वादा

प्रधानमंत्री साने ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है।

लंबे समय बाद जापान में किसी नेता को दो तिहाई बहुमत मिला है। सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को ऐसी कामयाबी चार महीने पहले प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची ने दिलाई। दरअसल, जितनी बड़ी जीत एलडीपी को इस बार मिली, उतना गुजरे 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ। जापान में 1955 में नया संविधान लागू होने के बाद से एलडीपी 66 वर्ष सत्ता में रही है। सिर्फ दो बार ऐसे मौके आए, जब वह दो-दो वर्ष के लिए सत्ता से बाहर हुई। मगर पिछले डेढ़ दशक में पार्टी की लोकप्रियता लगातार गिरी थी। आर्थिक गतिरुद्धता, बढ़ती सामाजिक समस्याओं, और धुर दक्षिणपंथ के उदय के कारण हालिया चुनावों में उसे पूर्ण बहुमत से वंचित रहना पड़ा।

इसीलिए रविवार को हुए चुनाव में उसे मिली बड़ी जीत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इससे ये बात पुष्ट हुई है कि उदारवाद और राष्ट्रवाद का उग्र एजेंडा पेश कर जापान के मतदाताओं में उत्साह पैदा करने में ताकाइची सफल रहीं। ताकाइची इसे पसंद करती हैं कि उनकी तुलना ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर से की जाए। जिस तरह थैचर ने ब्रिटेन की दिशा बदल दी थी, कुछ वैसा ही करने का वादा ताकाइची ने किया है। प्रधानमंत्री बनते ही ताइवान के सवाल पर उग्र बयान देकर चीन से टकराव बढ़ाते हुए उन्होंने देश में राष्ट्रवादी भावनाएं फैलाईं। इसे आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सैन्य खर्च बढ़ाने का वादा किया। साथ ही जापान को परमाणु हथियार संपन्न देश बनाने के संकेत भी उन्होंने दिए।उधर आर्थिक मोर्चे पर हर तरह के टैक्स में कटौती का वादा किया। इसमें आय कर से लेकर उपभोग कर तक शामिल हैं। कहा कि यह सब बजट घाटा बढ़ाते हुए किया जाएगा। जहां लोग अर्थव्यवस्था की घटती गई प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, घटती उत्पादकता, गिरते जीवन स्तर, और बढ़ती गैर-बराबरी से वर्षों से परेशान हों, वहां इस तरह के वादों ने जादुई असर किया, तो उसे समझा जा सकता है। वैसे विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि रक्षा क्षेत्र को छोड़ दें, तो बाकी वादों को पूरा करना आसान नहीं होगा। लेकिन ये बाद की बात है। फिलहाल, तो ताकाइची की लहर चली है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बेंगलुरु में डीआरडीओ के जीटीआरई के दौरे के दौरान स्वदेशी मिलिट्री गैस टर्बाइन इंजन डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट्स का रिव्यू किया।

विशिष्ट को अपशिष्ट प्रमाणित करती एपस्टीन फ़ाइल्स

– तनवीर जाफ़री

इनदिनों जेफरी एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों ने पूरी दुनिया में हलचल मचाकर रख दी है। पिछले दिनों अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 लाख से भी अधिक पृष्ठों की नई फ़ाइल्स आने के बाद दुनिया के कई हाई-प्रोफ़ाइल लोगों के नाम उजागर हुये। अमेरिका का रहने वाला जेफ़री एपस्टीन व उसके माता-पिता यहूदी परिवार से थे। 20 जनवरी 1953 को ब्रुकलिन न्यूयॉर्क, में जन्मे एपस्टीन की मृत्यु 2019 में बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में हुई थी। हालांकि उसकी मौत को अधिकारिक रूप से आत्महत्या घोषित किया गया था। परन्तु चूँकि उसकी मौत के दिन जेल के कैमरे ख़राब पाये गये और गार्ड्स भी उस समय सोए हुये थे। इसलिए एपस्टीन की हत्या का भी संदेह व्यक्त किया जाता है। हत्या की थ्योरी इसलिये भी रची जा रही है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एपस्टीन के पास दुनिया की स्वयंभू विशिष्ट हस्तियों की दरिन्दिगी व काले कारनामों के ऐसे सुबूत थे जो उनके चेहरों को बेनक़ाब कर सकते थे। जेफ़री एपस्टीन के पास फ्लोरिडा , न्यू मैक्सिको, पेरिस और कैरिबियन के यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स में प्राइवेट द्वीप जैसी कई संपत्तियां थीं। उस पर नाबालिग़ लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी करने,नाबालिग़ लड़कियों से सेक्स करने,अपने विशिष्ट अतिथियों को सेक्स हेतु नाबालिग़ लड़कियां परोसने यहाँ तक कि सेक्स के बाद उनकी हत्या करने जैसे संगीन आरोप थे।

अमीर यहूदी फ़ाइनेंसर एपस्टीन, सैकड़ों नाबालिग़ लड़कियों जिनमें अधिकांश 11 से 17 वर्ष आयु की होती थीं,को अपने घरों, प्राइवेट आइलैंड और प्राइवेट जेट पर लाकर उनका वहशी की तरह यौन शोषण किया करता था। वह लड़कियों को मसाज के बहाने बुलाता, पैसे देता, फिर उन्हें सेक्स के लिए मजबूर करता था। एपस्टीन को किशोरावस्था की शुरुआती उम्र वाली लड़कियों के साथ सैक्स करने में विशेष दिलचस्पी थी। उसने स्वयं यह स्वीकारोक्ति की थी कि उसे रोज़ाना कम से कम तीन बार सेक्स चाहिए और उसे युवा शरीर ही पसंद है। लड़कियों को ख़रीदना उसे गॉड जैसा एहसास दिलाता था। वह ग़रीब लड़कियों को पैसे, गिफ्ट्स आदि देकर कंट्रोल किया करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल जोकि इस समय जेल में है वही एपस्टीन की हवस पूरी करने के लिये लड़कियों को भर्ती करती थी। ख़बरों के अनुसार घिस्लेन के पिता रॉबर्ट मैक्सवेल इस्राईली इंटेलिजेंस, मोसाद से जुड़े थे। और मोसाद के इशारे पर ही एपस्टीन दुनिया की प्रमुख हस्तियों को निशाना बनाकर हनीट्रैप

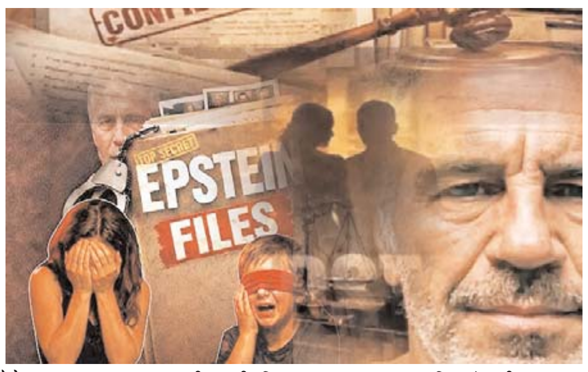

रैकेट चलाता था। एपस्टीन की शिकार ज़्यादातर लड़कियां ग़रीब,मजबूर व कमज़ोर परिवारिक पृष्ठभूमि से होती थीं। इनमें कई पीड़िताएँ आज भी ज़िंदा हैं और कोर्ट में बयान दे चुकी हैं। एपस्टीन को 2008 में फ़्लोरिडा में दोषी क़रार दिया गया था। परन्तु कहा जाता है कि उसके धनबल की वजह से उसे उस समय कम सज़ा मिली। 2019 में सेक्स ट्रैफ़िकिंग के आरोप में उसे फिर गिरफ़्तार किया गया। अदालत में उसके विरुद्ध 100 से भी अधिक पीड़िताओं ने गवाही दी। इन्हीं दस्तावेज़ों व फ़ोटोज़ के आधार पर उसे इसी क्लासिक चाइल्ड सेक्स ट्रैफ़िकिंग के केस में फिर सज़ा सुनाई गयी। और 2019 में ही बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में उसकी मौत भी हो गयी।

अब दुनिया में कोहराम इस बात को लेकर मचा हुआ है कि आख़िर इतने बड़े अपराधी तथा मानवता के दुश्मन दुश्चरित्र व्यक्ति के साथ दुनिया के स्वयंभू विशिष्ट लोगों के संबंध की वजह क्या थी ? आख़िर क्यों दुनिया के जाने माने लोग एपस्टीन के अलग अलग द्वीप पर जाया करते थे ? इस समय पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने की कोशिश करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ़्लाइट लॉग्स में 1990 के दशक में कई बार नाम आया। ब्लैक बुक में उनके नाम की प्रविष्टि पाई गयी। इसी तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी कई फ़्लाइट्स में नाम आया और वे एपस्टीन की पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल के साथ कई फ़ोटो में भी नज़र आये। ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस,प्रिंस एंड्रयू का नाम तो सबसे सबसे ज़्यादा विवादास्पद रहा। यौन शोषण के आरोप में एक दो नहीं बल्कि सैकड़ों बार उनका नाम आया। इसी तरह इस्राईल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बाराक की एपस्टीन से नियमित मुलाक़ातें और संपर्क की चर्चा है। वहीं स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस मारिया आजनार का नाम भी पैकेज और ट्रैवल रिकॉर्ड्स में कई बार आया है। ब्रिटेन के पूर्व मंत्री और राजदूत पीटर मेंडेलसन, पूर्व न्यू मैक्सिको गवर्नर बिल रिचर्डसन, कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस पास्त्राना अरंगो जैसे राजनेताओं के नाम भी एपस्टीन फ़ाइल्स में किसी न किसी रूप में शामिल हैं।

उद्योग व फ़िल्म जगत की विश्वप्रसिद्ध हस्तियां भी एपस्टीन फ़ाइल्स से अछूती नहीं रहीं। एलन स्पेस एक्स के संस्थापक, सीईओ और मुख्य डिज़ाइनर,टेक बिलेनियर एलन मस्क,माइक्रोसॉफ़्ट को-फ़ाउंडर बिल गेट्स, वर्जिन ग्रुप के फ़ाउंडर रिचर्ड ब्रैनसन,पूर्व अमेरिकी ट्रेज़री सेक्रेटरी लैरी समर्स, फ़िल्म डायरेक्टर वुडी एलन,सिंगर माइकल जैक्सन, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर, तथा अभिनेता के विन स्पेसी जैसे अनेक लोगों के नाम किसी न किसी रूप में एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों में शामिल हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, व्यवसायी अनिल अंबानी,भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, लेखक दीपक चोपड़ा, फ़िल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप, निर्देशक व अभिनेत्री नंदिता दास जैसे लोगों के नाम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स में पाए गए हैं। किसी के नाम फ़्लाइट्स लॉग्स में सामने आये तो किसी के लंबे समय तक एपस्टीन के संपर्क में रहने की बात सामने आयी। किसी के संदेशों और द्वीप भ्रमण करने का ज़िक्र आया तो किसे का एपस्टीन से पुराना सम्बन्ध निकला। एपस्टीन का किसी के साथ फ़्लाइट्स में नाम आया तो किसी का जेफ़री एपस्टीन के डिनर्स में शामिल होने पर नाम आया। कोई फ़ोटो में नज़र आया तो किसी को ई मेल भेजे व प्राप्त किये गये।

एपस्टीन फ़ाइल्स का व्यापक प्रभाव यह हुआ की इसमें नाम आने के बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के पूर्व प्रिंस एंड्रयू की सभी सैन्य उपाधियां छीन ली गईं। उन्हें सार्वजनिक पदों व कर्तव्यों से हटाया गया। इतना ही नहीं बल्कि बाद में उन्हें शाही आवास विंडसर कैसल से बाहर भी निकाल दिया गया। अब वे ख़ुद को प्रिंस नहीं कह सकते। इसी तरह अनेक लोगों को अपने पदों से या तो इस्तीफ़ा देना पड़ा या पद छोड़ना पड़ा। ज़ाहिर है स्वयं को विशिष्ट बताने वाले व दुनिया की आँखों में धूल झोंककर स्वयं को सफ़ेदपोश साबित करने वाले मोसाद के जाल में फंस चुके लोग जेफ़री एपस्टीन जैसे दुर्दांत कुकर्मी से अपने संबंधों को छुपाने की कोशिश में तो ज़रूर लगे हैं। परन्तु यह भी सच है कि जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स ने अनेक तथाकथित स्वयंभू विशिष्ट लोगों को अपशिष्ट भी प्रमाणित कर दिया है।

(चिंतन-मनन) प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात है। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूर्णांशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है।कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता। भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं।

अजित डोवाल को भी श्रेय

हरिशंकर व्यास

हिसाब से बातचीत वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल की टीम कर रही थी लेकिन श्रेय 'सबसे ऊपर से', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है तो उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल को भी श्रेय दिया जा रहा है। गोयल ने समझौते की जानकारी देने के लिए जब पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी दोस्ती का फायदा उठा कर भारत के लिए एक बहुत लाभकारी समझौता कराया है। सोचें, 140 करोड़ लोगों के देश की क्या हैसियत है, जब उसके प्रधानमंत्री को अपनी निजी दोस्ती के सहारे देश का काम कराना पड़ रहा है!

गोयल के इस बयान के एक दिन बाद विदेशी मीडिया समूह ब्लूमबर्ग ने एक खबर दी, जिसे भारत में बड़े पैमाने पर प्रचारित किया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल पिछले साल सितंबर में अमेरिका के दौरे पर गए थे, जहां वे मार्को रुबियो से मिले। बताया गया है कि डोवाल ने रुबियो से कहा कि भारत किसी दबाव में समझौता नहीं करेगा। ब्लूमबर्ग की खबर के मुताबिक डोवाल ने कहा कि अगर जरुरत पड़ी तो भारत ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने तक इंतजार करेगा। खबर में यह भी बताया गया कि उससे ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। खबर के मुताबिक इससे अमेरिका दबाव में था और डोवाल की बातों ने ट्रंप प्रशासन को मजबूर किया कि वह भारत से समझौता करे।

अब चाहे 'सबसे ऊपर के' मोदी की ट्रंप से दोस्ती के कारण हुआ या एनएसए डोवाल के दबाव के कारण हुआ या भारत के 140 करोड़ लोगों के विशाल बाजार की वजह से हुआ लेकिन समझौता हुआ तो उसमें क्या प्रावधान है, क्या शर्तें हैं यह भी किसी को पता नहीं है? सब कह रहे हैं कि किसानों और पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। लेकिन उधर अमेरिका में एक के बाद एक मंत्रियों ने दावा किया है कि उनके कृषि उत्पादों के लिए भारत का बाजार खुल रहा है। सबसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा कि भारत में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बड़ा बाजार मिलेगा। इसके बाद अमेरिका की कृषि मंत्री ब्रूक रॉलिन्स ने भी कहा कि भारत का बड़ा बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए खुलेगा। भारत के बाजार में अपना माल बेचने के लिए अमेरिका में कृषि सेक्टर को और मजबूत करने की चर्चा शुरू हो गई है। इधर भारत में दूसरी ही बात कही जा रही है। इस बीच सूत्रों के हवाले से यह खबर भी आने लगी है कि भारत जेनेटिकली मोडिफायड फूड्स, सोयाबीन और गन्ना को छोड़ कर दूसरे उत्पादों के लिए कुछ ढील दे सकता है। प्रोसेस्ड फूड आइटम्स को भारत के बाजार में कम या जीरो शुल्क पर आने की मंजूरी मिल सकती है।

ट्रंप का दो टूक कहना है कि भारत अब अमेरिकी सामान पर जीरो टैरिफ लगाएगा। ट्रंप बार बार कहते रहे हैं कि दुनिया भर के देश अमेरिका से अब तक कमाई करते रहे हैं और अमेरिका घाटा उठाता रहा है। अब यह नहीं चलेगा। सो, उन्होंने इसे बदल दिया है।

अब अमेरिका विदेशी व्यापार से मुनाफा कमाएगा और अब तक जो देश मुनाफा कमा रहे थे वे नुकसान उठाएंगे। जाहिर है राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना काम कर दिया है। वे भारत को नुकसान पहुंचवाएंगे जबकि अमेरिका मुनाफा कमाएगा! इसलिए फिर सवाल है प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को पता है व्यापार सौदे में है क्या?

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से साझेदारी करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके व्यापार में रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोडा अधिक मेहनत करने की जरुरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा।

मिथुन राशि: आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, इससे नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और आपका सम्मान बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे। आज आपको बात करते समय अपनी भाषा पर नियंत्रण रखने की जरुरत है, अन्यथा आपका विरोध हो सकता है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरुरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सिखाना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। व्यवसाय कर रहे लोग व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामयाब होंगे।

तुला राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। नौकरी कर रहे लोगों को आज दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा, नहीं तो सीनियर से डांट भी खानी पड़ सकती है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे तो एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बेवजह की उलझन से दूर होकर आप किसी मंदिर या धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप अपने खाली समय में अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे। मित्रों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी।

धनु राशि: आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। किसी पार्क में परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों को गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे, गौ सेवा करने का मन बनायेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सम्र रखना होगा। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगो से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। नया बिजनेस स्टार्ट करेंगे। आपके सगे सम्बन्धियों से मेल-जोल बढ़ेगा।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटिविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप माता को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को खुशी होगी। आज आपको रुका हुआ काम पूरा होगा। आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान दें। इससे आपको जरूरी बातें पता चल सकती हैं।

विश्व-रंगः फ्रिट्ज हाबर : रासायनिक युद्ध का जनक वैज्ञानिक

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह कुलीन यहूदी परिवार में जन्मा था। पिता नगर के धनाढ्य और गणमान्य व्यक्ति थे। वह कुल चार भाई-बहन थे। वह कुशाग्र बुद्धि था और उसमें बचपन से ही कुछ नया और अलहदा कर गुजरने की तड़प थी। पिता चाहते थे कि बेटा उनके नक्शे-पा चले, लेकिन पूत के पाँव पालने में देख उन्होंने उसकी इच्छापूर्ति में बाधा नहीं डाली।

पूरा नाम फ्रिट्ज जैकब हाबर। जन्म हुआ 9 दिसंबर, सन 1868 को उत्तरी जर्मन परिसंघ के प्रूशिया साम्राज्य के सिलेसिया प्रांत में ब्रेस्लाऊ में व्यापारिक घराने में। हैबर-परिवार ब्रेस्लाऊ के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में एक था। पिता सिग्फ्राइड और माँ पौला की दो ही संतानें थीं : पुत्र फ्रिट्ज और पुत्री एल्सी। पुत्र फ्रिट्ज बड़ा होकर सफल और विख्यात वैज्ञानिक बना। अपार शोहरत। अपार धन। वह गजब का कैमियागर था। फलतः उसे सन 1918 में रसायन-विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिला। हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार मिला। उसे हैबर-बॉश प्रक्रिया के लिए इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह प्रक्रिया रसायन-उद्योग में नाइट्रोजन और हाइड्रोजन गैस से अमोनिया के संश्लेषण में प्रयुक्त विधि है। मार्के की बात यह है कि हैबर ने अपने आविष्कार से फसलों और युद्ध का नक्शा बदल दिया। एक ओर जहां उसकी ईजाद से अन्न उत्पादन में कई गुना इजाफा हुआ, वहीं उसका आविष्कार युद्ध के मोर्चे पर फतह और अनगिन मौतों का बायस बना। उसकी वैज्ञानिक विरासत खेलों में विपुल उत्पादन से करोड़ों लोगों को भोजन मुहैया करने तक ही नहीं फैली है, बल्कि वह लाखों निर्दोषों और निरपराधों की गैस चैंबरों में मौत के जघन्य पाप तक फैली हुई है।

फ्रिट्ज हाबर की जीवन गाथा में नेकी और बदी की चरम इच्छाओं के उजले और स्याह धागे आपस में भी संश्लिष्ट है। उसका वैवाहिक जीवन अशांत और अनहोनी से बिंधा रहा और उसका अंत एकाकीपन में वतन से दूर हुआ। यही नहीं, उसने लानतें झेलीं और तिरस्कार भी। वह हिटलर का प्रशंसक और भक्त था तथा स्वयं को गर्व से राष्ट्रवादी जर्मन कहता था। उसने यहूदी धर्म का परित्याग कर बपतिस्मा भी ले लिया था, लेकिन नाजियों ने उसे अपना नहीं माना। विवश होकर उसे जर्मनी छोड़ना पड़ा। वही नहीं, उसने घातक रसायनों के जरिये मौत का जो खतरनाक खेल ईजाद किया था, उसकी नृशंस और वीभत्स परिणति भयावह होलोकास्ट में हुई। नाजियों ने गैस चैंबरों के जरिये लाखों यहूदियों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया।

विश्व इतिहास में चुनिंदा वैज्ञानिकों में शुमार फ्रिट्ज हाबर को केमिकल वारफेयर (रासायनिक युद्ध कर्म) के जनक के तौर पर याद किया जाता है। फ्रिट्ज के पिता का रंग-रोगन, दवा और रंगाई का कारखाना था और वह चाहते थे कि बेटा उनका कारोबार संभाले, लेकिन बेटा कीमियागर बनने को आतुर था। परिवार कर्मकांडी न होकर भी यहूदी था, लिहाजा जोहानियम स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के बाद वह जिस सेंट एलिजाबेथ स्कूल में भर्ती हुआ, वहां प्रोटेस्टेंटों और यहूदियों के लिए पृथक कक्षाओं की व्यवस्था थी। परिवार व अन्य यहूदियों के विपरीत फ्रिट्ज स्वयं को सगर्व जर्मन दर्शाता था। वहां से निकलने पर पिता ने उसकी इच्छानुरूप उसे रसायन विज्ञान पढ़ने के लिए बर्लिन स्थित फ्रेड्रिक विल्हेम यूनिवर्सिटी में भेज दिया। पहले सेमिस्टर की हताशा उसे सन 1887 की ग्रीष्म में हाइडेलबर्ग विश्वविद्यालय ले गयी, जहां उसे रॉबर्ट बुन्सेन ने पढ़ाया। वहां से वह बर्लिन लौटकर टेक्नीशे होष्शूले शार्लोटेन्बर्ग में भर्ती हुआ। सन 1889 में सैन्य नौकरी के बाद वह छठवीं फील्ड आर्टिलरी रेजीमेंट में एक वर्ष की वालेंटियर सेवा में भर्ती हो गया। एक साल बाद वह शार्लोटेन्बर्ग लौटा और कार्ल लीबरमान का शिष्यत्व ग्रहण कर लिया। कार्ल के कार्बनिक रसायन के लेक्चरों के साथ-साथ वह रंगों की रसायन प्रौद्योगिकी पर आटो विट्ट के लेक्चर भी अटेन्ड करता था। लीबरमैन द्वारा प्रदत्त विषय पर गहन शोध के फलस्वरूप उसे मई, 1891 में यूनिवर्सिटी ऑफ बर्लिन से डॉक्टरेट की उपाधि मिल गयी।

इस तरह रसायनज्ञ होकर फ्रिट्ज घर लौट आया, किंतु घर में सब सुकर न था। पिता और उनके रिश्तों में खटास थी और इसकी खासी वजह थी। हुआ यह कि फ्रिट्ज के जन्म पर पौला को प्रसव में परेशानी हुई। फलतः तीन हफ्ते बाद उसने प्राण त्याग दिये। मातृहीन फ्रिट्ज को चाचियों ने पाला। फ्रिट्ज जब छह वर्ष का हुआ, उसके व्यथित पिता ने दूसरी शादी कर ली। हेडविग हैम्बर्गर से उसे तीन बेटियां हुईं। फ्रिट्ज का जन्म और पत्नी की मौत का संदर्भ सिग्फाइड कभी भुला नहीं सके। फ्रिट्ज ने विमाता और बहनों से किसी तरह पटरी बिठाये रखी। रिश्ते कैसे भी रहे हों, उसे पिता के रसूख का खूब लाभ मिला। उनकी बदौलत उसे बड़े कारखानों और आसवनी में काम का मौका मिला। पिता की मनुहार कर वह एक सेमेस्टर के लिए ज्यूरिख के पॉलीटेक्निक कॉलेज में जार्ज लुंग के साथ अध्ययन हेतु भर्ती हो गया। वहां से लौटकर पिता के काम में हाथ बँटाने वह ब्रेस्लाऊ लौटा, लेकिन पिता-पुत्र के रिश्तों में बल पड़ते गये। पिता को पुत्र का प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल का सुझाव फला, किंतु हैजे की महामारी पर थोक में कैल्शियम हाइपोक्लोराइट खरीदने से हुये नुकसान से पुत्र को पिता ने घर से रुख्सत कर दिया।

पिता से विच्छेद के बाद उसकी नयी पारी शुरू हुई। वह स्वयं को यहूदी कम, जर्मन अधिक मानता था। सन 1892-94 के दरम्यान वह जेना विश्वविद्यालय में लुडविग नॉर का सहायक रहा। इसी दरम्यान वह यहूदी से ईसाइयत के लूथर संप्रदाय में दीक्षित हुआ। मकसद था बेहतर करियर। लुडविग ने उसकी सिफारिश कार्ल्सरूहे विश्वविद्यालय में कार्ल एंग्लर से की और कार्ल ने हैंस बुन्ते से, जिसने उसे अपना सहायक बना लिया। वहीं उसने हाइड्रोकार्बनों की पुनर्वास थीसिस प्रस्तुत की। इस पर उसे अध्ययन का दायित्व मिला और संस्थान ने रंगरेजी की प्रौद्योगिकी के अध्ययन हेतु उसे बाहर भेजा। विद्युत रासायनिकी के उच्च अध्ययन और शोध के लिये वह एक बार फिर बाहर गया। अध्ययन और अनुसंधान तथा ख्याति का यह क्रम चलता रहा। वह असोसिएट प्रोफेसर बना और ग्रांड ड्यूक फ्रेडरिक बॉन बाडेन ने उसे एक्स्ट्राऑर्डिनेरियस से विभूषित किया। जल्द ही वह कार्ल्सरूहे में भौतिक रसायन का प्रोफेसर बन गया।

बंगाल में चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन : 7 अफसर निलंबित, एसआईआर के काम में गड़बड़ी के आरोप

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्य में लगे सात अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। गंभीर कदाचार के आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई। आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है।

निलंबित सभी अधिकारी SIR प्रक्रिया में सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (AERO) के रूप में कार्यरत थे। आमतौर पर बूथ स्तर के अधिकारी (BLO) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ERO) राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जिन्हें मतदाता सूची के अद्यतन और चुनावी कार्यों के लिए आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया जाता है।

आयोग के आदेश के अनुसार, मुख्य सचिव को निर्देश दिया गया है कि संबंधित अधिकारियों के कैडर नियंत्रक प्राधिकरणों के माध्यम से बिना किसी देरी के विभागीय कार्रवाई शुरू की जाए। साथ ही, की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट आयोग को उपलब्ध कराई जाए।

रामविलास को बेचारा कहने पर भड़के लोजपा (आर) के कार्यकर्ता, तेजस्वी यादव का पुतला फूंका

पटना, (आरएनएस)। राजद के एक नेता द्वारा लोजपा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान को बेचारा कहे जाने को लेकर लोजपा (रामविलास) समर्थक गुस्से में हैं। पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं ने पटना के कारगिल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया और राजद नेता व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का पुतला भी जलाया। लोजपा (आर) के नेताओं का आरोप है कि बिहार विधानसभा में राजद के विधायक ने स्वर्गीय रामविलास पासवान का अपमान किया है। इसी के विरोध में आज हम लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मौके पर मौजूद सांसद और प्रदेश संगठन प्रभारी अरुण भारती ने कहा कि बिहार विधानसभा में राजद के विधायक ने हमारे नेता स्वर्गीय रामविलास पासवान को लेकर जो बयान दिया है, वह कहीं से सही नहीं है। राजद के लोग लगातार दलितों और गरीबों का अपमान करते हैं।उन्होंने कहा कि इसको लेकर जब तक सदन के अंदर तेजस्वी यादव माफी नहीं मांगेंगे, तब तक हम लोगों का विरोध जारी रहेगा।

इधर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि ऐसे ही राजद के नेताओं के बयान के कारण पार्टी आज हाशिये पर आ गई है। हमारी पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता अपने नेता का अपमान नहीं सह सकता है। रामविलास पासवान ने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया और उन्हें इस तरह के अपमानजनक शब्दों से संबोधित करना उचित नहीं है।

बता दें कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान राजद के विधायक कुमार सर्वजीत ने रामविलास पासवान के लिए बेचारा शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर पार्टी के नेता आपत्ति जता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी शनिवार को इस बयान को लेकर राजद को निशाने पर लिया था और कहा था कि ऐसे बयानों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के शासनकाल में नए कीर्तिमान स्थायपित हुए : जयवीर सिंह

मैनपुरी (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा राज्य के बजट को फेल बताए जाने पर प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ने पलटवार किया। उन्होंपने कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते वह यही कहेंगे। मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता होने के नाते अखिलेश यादव को ऐसा कहना ही चाहिए। लेकिन, देश और प्रदेश की जनता महसूस कर रही है कि उनके कार्यकाल में प्रदेश में विकास नहीं हुआ था। जयवीर सिंह ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं और प्रदेश माफियाराज तथा बीमारू राज्य की छवि से निकलकर देश का ग्रोथ इंजन बना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव में 2017 से पहले और वर्तमान समय की स्थिति की तुलनात्मक चर्चा कर यह स्पष्ट किया गया है कि प्रदेश ने विकास की दिशा में लंबी छलांग लगाई है।

जयवीर सिंह ने लोकतंत्र की परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों में कमियां बताता है और सुधार के सुझाव भी देता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की प्रदेश और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय थीम पर आधारित है इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट : पीएम मोदी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का आज से आगाज होने जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट का उद्घाटन करेंगे, जो पहली बार ग्लोबल साउथ में होने जा रहा है। दुनियाभर के दिग्गज इस समिट में शामिल होने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग-अलग पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी अन्य मुद्दों पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है। मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं। समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट

को दिखाता है। पीएम मोदी ने कहा, एआई आज स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और एंटरप्राइज सहित कई सेक्टर्स को बदल रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो। उन्होंने आगे कहा, भारत के 1.4 बिलियन लोगों की वजह से, हमारा देश एआई ट्रांसफॉर्मेशन में सबसे आगे है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और कटिंग-एज रिसर्च तक, एआई में हमारी तरक्की लक्ष्य और जिम्मेदारी दोनों को दिखाती है। इससे पहले एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए दुनियाभर से लोग भारत आ रहे हैं। इससे हमारे देश के युवाओं के सामर्थ्य का भी पता चलता है। यह अवसर इस बात का भी प्रमाण है कि हमारा देश विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और वैश्विक विकास में अहम योगदान दे रहा है।पीएम मोदी ने संस्कृति सुभाषित भी शेयर किया है। उन्होंने लिखा, दाने तपसि शौर्चे च विज्ञानं विनये नये। विस्मयो न हि कर्तव्यो बहुरत्ना वसुन्धरा।

सुभाषित में कहा गया है, दान, तप, शौर्य, विज्ञान, विनय और नेतृत्व के संसार में सदैव उत्कृष्ट से उत्कृष्टतर उदाहरण प्राप्त हो जाते हैं, क्योंकि यह पृथ्वी अनेक अनमोल रत्नों से भरी है। अत: विज्ञान व प्रविधि आदि के क्षेत्रों में नित नए आविष्कारों तथा नवाचारों पर किसी को विस्मय नहीं होना चाहिए।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी सोमवार शाम 5 बजे दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन करेंगे।

CM हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ याचिका पर सुनवाई नहीं करेगा SC, अदालत बोली- 'ये मामले सेटल करने का प्लेग्राउंड नहीं'

नई दिल्ली (आरएनएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कथित भड़काऊ टिप्पणी मामले में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से साफ इनकार कर दिया है। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि मामलों को सेटल करने के लिए सुप्रीम कोर्ट कोई 'प्लेग्राउंड' (खेल का मैदान) नहीं है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी है। इसके साथ ही, अदालत ने गुवाहाटी हाईकोर्ट को निर्देश दिए हैं कि वह इस संवेदनशील मामले में जल्द सुनवाई करे।

'संविधान के तहत हाईकोर्ट के पास भी है शक्ति'

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को देश की न्यायिक प्रणाली पर पूरा भरोसा रखना चाहिए। जब संविधान के तहत हाईकोर्ट के पास आपकी याचिका पर उचित आदेश जारी करने की शक्तियां मौजूद हैं, तो पहले वहां जाना चाहिए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि मुख्यमंत्री एक संवैधानिक पद पर बैठे हैं और खुलेआम अपनी शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं। सिंघवी ने तर्क दिया कि ये भड़काऊ बयान किसी एक जगह नहीं, बल्कि असम, छत्तीसगढ़ और झारखंड सहित कई राज्यों में दिए गए हैं। इस पर अदालत ने कहा कि हम केवल हाईकोर्ट से यह गुजारिश कर सकते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण मामला है और वे इसकी मेरिट (योग्यता) के आधार पर सुनवाई करें।

इंडियन नेवी चीफ एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी (दाएं) नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक लॉन्स में हेलेनिक नेवी चीफ वाइस एडमिरल दिमित्रियोस-एलेफथेरियोस कटारस का स्वागत करते हुए।

मौसम एक बार फिर बदलेगा मिजाज, 17 को बारिश की संभावना, एनसीआर में एक्यूआई ऑरेंज जोन में

नोएडा (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलता नजर आ रहा है। मौसम विभाग के 7 दिन के पूर्वानुमान के अनुसार 17 फरवरी को आसमान में सामान्य से अधिक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। पूर्वानुमान के मुताबिक, 16 फरवरी को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है तथा मौसम मुख्य रूप से साफ रहेगा। 17 फरवरी को भी न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, लेकिन इस दिन सामान्यत- बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 18 फरवरी को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री रहने का अनुमान है तथा मौसम फिर से साफ हो जाएगा। 19 फरवरी को न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री, 20 फरवरी को न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री तथा 21 फरवरी को भी न्यूनतम 14 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

अधिकांश दिनों में मुख्य रूप से साफ आसमान रहने की संभावना जताई गई है। वहीं, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की बात करें तो एनसीआर में फिलहाल स्थिति आंशिक रूप से ठीक बनी हुई है, लेकिन अधिकांश स्थानों पर एक्यूआई ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किया गया है। गाजियाबाद में इंदिरापुरम का एक्यूआई 269, लोनी 299, संजय नगर 198 और वसुंधरा 259 दर्ज किया गया।

दिल्ली में आनंद विहार का एक्यूआई 300, अशोक विहार 266, अलीपुर 256, बवाना 264, बुराड़ी क्रॉसिंग 240, चांदनी चौक 247, सीआरआरआई मथुरा रोड 202, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 212 और डीटीयू 205 दर्ज किया गया। आया नगर में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति रही, जहां एक्यूआई 155 दर्ज हुआ।नोएडा में सेक्टर-125 का एक्यूआई 225, सेक्टर-1 का 201 और सेक्टर-116 का 202 दर्ज किया गया। इससे स्पष्ट है कि एनसीआर के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता मध्यम से खराब श्रेणी के बीच बनी हुई है।मौसम विभाग के अनुसार 17 फरवरी को संभावित बारिश और तेज हवाओं से प्रदूषण के स्तर में अस्थायी सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि बारिश के बाद तापमान में गिरावट से सुबह और रात के समय ठंड का अहसास बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों को बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतनी चाहिए।

प्यार के लिए पार की हर दीवार, मिस्बा बनी 'मनीषा'; मुस्लिम से हिंदू धर्म अपनाकर दिया प्रार्थना पत्र

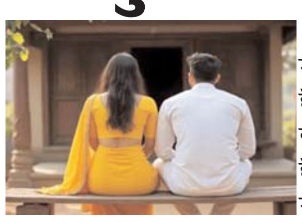

अलीगढ़ (आरएनएस)। कहते हैं कि सच्ची मोहब्बत न तो कोई जाति देखती है और न ही धर्म की दीवारें उसे रोक पाती हैं। प्यार करने वाले अक्सर सामाजिक और पारिवारिक बेड़ियों को पार कर एक नई राह चुन लेते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प मामला उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से सामने आया है। यहां पंजाब के लुधियाना की रहने वाली एक मुस्लिम युवती ने अलीगढ़ के एक हिंदू युवक के प्यार में स्वेच्छा से अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है। मिस्बा अहमद नाम की यह युवती अब हिंदू धर्म अपनाकर 'मनीषा' बन गई है। खास बात यह है कि यह मामला अलीगढ़ जिले में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत आधिकारिक तौर पर दर्ज किया गया पहला केस है। जानकारी के अनुसार, पंजाब के लुधियाना स्थित आजाद नगर (खन्ना) की रहने वाली मिस्बा अहमद ने अलीगढ़ प्रशासन को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है। इस रजिस्टर्ड प्रार्थना पत्र में उसने स्वेच्छा से मुस्लिम धर्म छोड़कर हिंदू धर्म अपनाने की जानकारी दी है। युवती ने हाल ही में प्रयागराज में आयोजित एक धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लिया और पूरे विधि-विधान के साथ धर्म परिवर्तन किया। इसके साथ ही उसने हिंदू धर्म में अपनी वापसी का एक शपथ पत्र भी प्रशासन को सौंपा है। अलीगढ़ के टप्पल इलाके के बैना गांव निवासी युवक से हुए प्यार के चलते मिस्बा ने यह बड़ा कदम उठाया है और अब वह समाज में मनीषा के नाम से ही पहचानी जाएगी।इस पूरे घटनाक्रम में अहम बात यह रही कि टप्पल निवासी युवक के परिजन इस धर्म परिवर्तन के दौरान साक्षी बने और उन्होंने मनीषा को खुले दिल से अपनाया।

शंकराचार्य के बारे में अपमानजनक अपशब्द बोलना शाब्दिक हिंसा और पाप : अखिलेश यादव

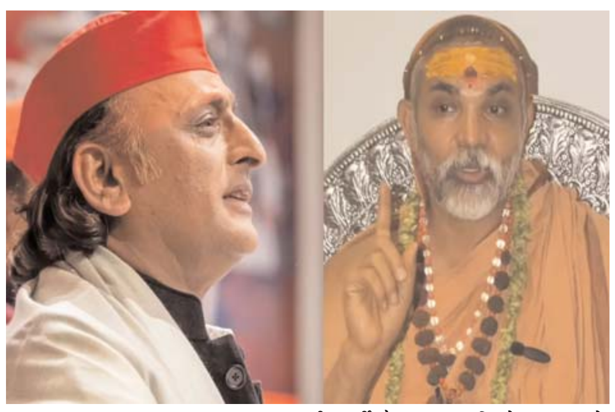

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना शाब्दिक हिंसा है। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा, जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाईं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकता वाले बयान पर अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पहन ले कोई जैसे भी चोले, पर उसकी वाणी पोल खोले। उन्होंने कहा, शंकराचार्य के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना शाब्दिक हिंसा है और पाप भी। ऐसा कहनेवाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा जिन्होंने चापलूसी में मेजें थपथपाई हैं। जब भाजपा के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी।महाकुंभ की घटना का जिक्र करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा, जो महाकुंभ की मौतों पर सच्चे आंकड़े नहीं बताते हैं, कैश में मुआवजा देकर उसमें भी भ्रष्टाचार का रास्ता निकाल लेते हैं। जिन तक मुआवजा नहीं पहुंचा, उनका पैसा कहां गया, ये नहीं बताते हैं। अपने ऊपर लगे मुकदमे हटवाते हैं। वो किसी और के धर्म-पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं रखते हैं।सीएम योगी पर बिना नाम लिए हमला बोलते हुए सपा प्रमुख ने कहा, अपने बयान में उन्होंने (सीएम योगी) कानून का शासन बोल दिया, जैसे ही इस बात पर उनका ध्यान जाएगा वो विधि का शासन बोलने के लिए क्या दुबारा सदन बुलाएंगे या इसके लिए एक टांग पर खड़े होकर लड़खड़ाता प्रायश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वो व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में ये कहावत प्रचलित हो जाती है कि जब मुंह खोला, तब बुरा बोला।

अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा, हाता नहीं भाता का ये विस्तारित रूप है, यही सच्ची सच्चाई है। जिस समाज के खिलाफ रहकर उन्होंने हमेशा अपनी नफरत की राजनीति की है, उसे धर्म के मामले में भी अपमानित-पराजित करने का ये उनका अंहकार है। इनका बस चले तो जो विवादित फिल्म आई है, उसका नाम बदले बिना ही रिलीज भी कर दें और टैक्स फ्री भी कर दें। अगले चुनाव में वो समाज एक-एक वोट उनके खिलाफ डालकर अपने अपमान और उनके प्रदेश अध्यक्ष के नोटिस का सही जवाब देगा। उनकी सरकार हटाकर नई सरकार बनाएगा। फिर इत्मीनान-आराम से मिलजुलकर बेधड़क दाल-बाटी खाएगा।

उपराज्यपाल के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार अच्छे नतीजे दे रही है: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नेहरू प्लेस स्थित छह मंजिला मल्टी-लेवल पार्किंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल जी का मार्गदर्शन दिल्ली के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केंद्र और उपराज्यपाल जी के साथ समन्वय स्थापित करने का अपेक्षित प्रयास नहीं किया, जिस कारण अनेक जनहित से जुड़े कार्य वर्षों तक लंबित रहे। इसके विपरीत, उपराज्यपाल महोदय ने विभिन्न स्थलों का स्वयं निरीक्षण कर नालों की सफाई, सड़कों के निर्माण व बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की लगातार निगरानी की। वह उस समय भी दिल्लीवासियों की सेवा में सक्रिय रहे, जब व्यवस्थाएं ठहराव का सामना कर रही थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल जी के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रही है और अच्छे नतीजे दे रही है। इसी संयुक्त प्रयास से दिल्ली को साफ, सुव्यवस्थित और विकसित बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।मल्टी-लेवल पार्किंग की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह नई छह मंजिला आधुनिक पार्किंग एक समय में 650 चार पहिया और 352 दोपहिया वाहन खड़े करने की क्षमता रखती है। रोटेशन के आधार पर यहां प्रतिदिन करीब 2,000 वाहनों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसे दिल्ली की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी के जिन इलाकों में पार्किंग की कमी है, वहां डीडीए की उपलब्ध जमीन पर पार्क या पार्किंग बनाने की व्यापक योजना तैयार की जा रही है।मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व पंजाबी बाग में ऑटोमेटिक मल्टी-लेवल पजल पार्किंग और ग्रेटर कैलाश में आधुनिक ऑटोमेटिक शटल पार्किंग का उद्घाटन किया जा चुका है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में प्रस्तावित कई पार्किंग परियोजनाएं फाइलों में ही लंबित रहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रुके हुए विकास कार्यों को गति देना जनता के एकमत की शक्ति का परिणाम है।

गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों पर दर्ज हो एफआईआर : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी मामले में जांच के दौरान यदि गलत रिपोर्ट लगाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। हर मामले की निष्पक्ष जांच करके ही उसका निस्तारण होना चाहिए। किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता अक्षम्य होगी। सीएम योगी ने शनिवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए ये निर्देश प्रशासन व पुलिस के अफसरों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें।

दो दीवाने सहर में में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं : संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज् यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह 'काफी नहीं' है, और नैना पर 'बहुत ज़्यादा परफेक्ट' बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं।

गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

बैटल ऑफ गलवान से रोमांटिक सॉन्ग मैं हूं रिलीज, चित्रांगदा सिंह संग दिखी सलमान खान की लविंग केमिस्ट्री

मातृभूमि को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है. अब सलमान खान फिल्म्स ने बैटल ऑफ गलवान वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक मैं हूं पेश किया है. ऐसे में, सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है. सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैं हूं, एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दर्शाता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हंसी-खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतजार तक का सफर दिखाया गया है. यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है. घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द. यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है.

विजुअली, यह ट्रैक खुशी और तड़प के बीच एक बैलेंस बनाए रखता है. हम सलमान खान को दिल को छू लेने वाले और सौम्य पलों में देखते हैं मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हुए और अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हुए, वहीं दूसरी तरफ कुछ फ्रेम्स इमोशनल दूरी और अकेलेपन को भी बयां करते हैं. चित्रांगदा सिंह ने अपने किरदार में शालीनता और एक खामोश मजबूती दिखाई है. उनकी केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और गहराई से सच्ची महसूस होती है.अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी जहन में बनी रहती है. श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है. वहीं, अयान लाल और शब्बीर अहमद के लिखे बोल बहुत ही सटीक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो एक फौजी के पीछे खड़े उसके परिवार की कुर्बानियों और उनकी खामोश ताकत को बयां करते हैं.बैटल ऑफ गलवान का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं. यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक सच्ची तस्वीर पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी.

आईना हैं अनुभव सिन्हा की फिल्में, वह बेहतरीन तरीके से पेश करते हैं कहानी : तापसी पन्नू

'मुल्क', 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद तापसी पन्नू अब अनुभव सिन्हा के साथ आ रही फिल्म अस्सी को लेकर उत्साहित हैं। तापसी ने अनुभव सिन्हा के साथ काम करने के अनुभव को शानदार बताया। तापसी पन्नू ने उन्हें एक ऐसा निर्देशक बताया जो कहानियों को बहुत सच्चाई और सरलता से पेश करते हैं।

तापसी ने कहा, मैं अनुभव सिन्हा को सिर्फ कोर्टरूम ड्रामा तक सीमित नहीं रखना चाहती। उन्हें बहुत सी ऐसी चीजों को बेहतरीन तरीके से सामने लाने की कला आती है जो उनकी फिल्मों को ड्रामाई रूप से रियल और शानदार बनाती हैं। चाहे 'मुल्क' या 'अस्सी' जैसे कोर्टरूम ड्रामा हों या 'थप्पड़' और 'आर्टिकल 15' जैसी कहानियां, उनकी कहानी कहने का अंदाज बेहतरीन है और वह सच को सहजता से सामने लाते हैं।उन्होंने आगे बताया कि अनुभव सिन्हा जिंदगी की सच्चाई को इतनी आसानी से दिखाते हैं कि एक बार सामने आने के बाद उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि उनकी फिल्में इतनी असरदार बनती हैं। तापसी का मानना है कि जब कोई डायरेक्टर सबसे साधारण कहानियों को भी दमदार तरीके से पेश कर सकता है तो एक्टर उसके साथ सबसे सुरक्षित महसूस करता है।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई यह कह सकता है कि अनुभव की फिल्मों में किसी एक्टर ने अच्छा काम नहीं किया। अनुभव जो मटेरियल और सीन देते हैं, उनमें अगर एक्टर पूरी तरह कमिटेड है तो गलत होने की गुंजाइश बहुत कम रहती है। उनके दिए डायलॉग और मोमेंट्स एक बच्चे को कैंडी शॉप में मिलने वाली खुशी जैसे होते हैं।'अस्सी' में तापसी पन्नू के साथ लीड रोल में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब नजर आएंगे। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा के स्पेशल अपीयरेंस भी हैं। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में तैयार फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज पेश कर रहे हैं। यह बनारस मीडिया वर्क्स का प्रोडक्शन है, जिसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, और अनुभव सिन्हा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर रिलीज, जुनैद खान और साई पल्लवी का दिखा प्योर रोमांटिक अंदाज

एक दिन एक ऐसी रोमांटिक और जादुई प्रेम कहानी का वादा करती है जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. इसके साथ ही, यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स के रीयूनियन का गवाह बनेगी, जो जो जीता वही सिकंदर और जाने तू... या जाने ना जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं.

आमिर खान और मंसूर खान की वो सुपरहिट जोड़ी, जिसने हमें कयामत से कयामत तक और जाने तू... या जाने ना जैसी क्लासिक फिल्में दी हैं, एक बार फिर एक प्यारी सी लव स्टोरी लेकर वापस आ गई है. जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर एक दिन एक ऐसी कोमल और जादुई रोमांस की कहानी है, जो जज्बातों और रिश्तों की सादगी का जश्न मनाती है.

ओ रोमियो ने आते ही बिगाड़ा बॉर्डर 2 का खेल, लाखों में सिमटी कमाई

सनी देओल की 'बॉर्डर 2' को सिनेमाघरो में दहाड़ते हुए तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं. चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही अब इस वॉर ड्रामा को शाहिद कपूर की नई रिलीज 'ओ'रोमियो' टक्कर देने आ गई है. इसी के साथ 'बॉर्डर 2'की कमाई को बड़ा झटका लगा है. चलिए यहां जानते हैं नई रिलीज फिल्म के आने के बाद 'बॉर्डर 2' ने चौथे फ्राइडे यानी 22वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

सनी देओल की 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज़ हुई थी तब से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. रिलीज के तीन हफ्तों में इसने हर दिन करोड़ों में कलेकक्शन किया. बता दें कि इस फ़िल्म ने पहले हफ़्ते में ही 224.25 करोड़ से ज़्यादा की कमाई कर ली थी. इसके बाद इसने दूसरे वीक में 70.15 करोड़ कमाए, वहीं थिएटर में अपने तीसरे हफ़्ते में इसने 23.35 करोड़ का कलेक्शन किया. हालांकि चौथे शुक्रवार को 'बॉर्डर 2' की कमाई को झटका लगा. दरअसल नई रिलीज फिल्मों के चलते इसने पहली बार लाखों में कमाई की है.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे शुक्रवार को 80 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ 'बॉर्डर 2' ने रिलीज के 22 दिनों में भारत में कुल 318.55 करोड़ कमा लिए हैं.

आदर्श-शनाया की तू या मैं को दर्शकों ने नहीं दिया भाव, पहले ही दिन कमाई के लिए तरसी फिल्म

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की नई फिल्म 'तू या मैं' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई. इस सर्वाइवल ड्रामा का क्लैश शाहिद कपूर की ओ रोमियो से हुआ. वहीं 'तू या मैं' पहले ही दिन दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आई. इसी के साथ फिल्म की ओपनिंग भी बेहद ठंडी रही है. चलिए यहां जानते हैं 'तू या मैं' ने रिलीज के पहले दिन कितनी कमाई की है?

आदर्श गौरव और शनाया कपूर की फिल्म 'तू या मैं' दर्शकों को इम्प्रेस नहीं कर पाई. वहीं इसे ओ रोमियो से क्लैश और कुछ हफ्तों पुरानी बॉर्डर 2 और मर्दानी 3 से मुकाबला करना भारी पड़ा. जिसके चलते ये पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो इसे ओपनिंग डे पर बड़ी मुश्किल से लाखों कमा पाई है.

घर के बगीचे में आसानी से उगाया जा सकता है खीरा, जानिए इसका तरीका

लंबा खीरा एक पौष्टिक सब्जी है, जिसे आप अपने घर के बगीचे में आसानी से उगा सकते हैं। यह सब्जी सलाद, सब्जी या अचार के रूप में उपयोग की जा सकती है। इसमें विटामिन और मिनरल की भरपूर मात्रा होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती है। इस लेख में हम आपको लंबा खीरा उगाने के सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिससे आप अपने घर के बगीचे में ताजगी और पौष्टिकता ला सकते हैं।

सही जगह चुनें

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे पहले आपको सही जगह चुननी होगी। ऐसी जगह चुनें जहां पर धूप अच्छी तरह से आती हो, क्योंकि खीरे को बढ़ने के लिए दिन में कम से कम 6-8 घंटे धूप जरूरी होती है। इसके अलावा जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां पानी निकास अच्छी तरह हो सके। इससे पौधे में ज्यादा पानी नहीं रुकेगा और जड़ें सड़ने से बच जाएंगी। अच्छे जल निकास से पौधे स्वस्थ रहते हैं।

बीज बोना

लंबा खीरा उगाने के लिए सबसे अहम बीज बोने की प्रक्रिया होती है। बीज बोने के लिए सबसे पहले मिट्टी तैयार करें और उसमें अच्छी तरह से खाद मिलाएं।

इसके बाद बीजों को 2-3 इंच गहराई पर डालें और हल्की मिट्टी से ढक दें, ताकि वे सुरक्षित रहें। ध्यान रखें कि बीजों के बीच कम से कम 1-2 फीट की दूरी हो, ताकि हर पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सके।

नियमित पानी दें

बीज बोने के बाद नियमित रूप से पौधों को पानी दें, लेकिन ध्यान रखें कि ज्यादा पानी न दें। ऐसा करने से पौधे सड़ सकते हैं। सबसे अच्छा समय सुबह या शाम का होता है, जब सूरज की रोशनी कम होती है। इस समय पानी देने से मिट्टी भी ठंडी रहती है और पौधों को पर्याप्त नमी मिलती है। हर दिन एक बार हल्का छिड़काव करें, ताकि पौधे स्वस्थ रहें और उनकी वृद्धि सही तरीके से हो सके।

खाद का उपयोग करें

पौधों को स्वस्थ रखने के लिए समय-समय पर खाद और पोषण का उपयोग करना जरूरी होता है। हर महीने पौधों में एक बार जैविक खाद डालें, जिससे मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होगी। इसके अलावा पोषक तत्वों की कमी दूर होगी और खीरे का उत्पादन भी बढ़ेगा। पोषण के रूप में नीम खली, गोबर खाद या वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग कर सकते हैं। इससे पौधों की वृद्धि तेज होगी और वे ज्यादा स्वस्थ रहेंगे।

कीड़े भगाने के उपाय

पौधों को कीड़ों से बचाने के लिए समय-समय पर कीड़े भगाने के उपाय करें। इसके लिए आप नीम के तेल या बेकिंग सोडा के मिश्रण का उपयोग कर सकते हैं। इनसे न केवल कीड़े भागते हैं, बल्कि पौधों की जड़ों को भी मजबूती मिलती है। ये सरल तरीके अपनाकर आप अपने घर के बगीचे में आसानी से लंबा खीरा उगा सकते हैं। इस तरह न केवल आपको ताजगी भरे खीरे मिलेगी, बल्कि पौष्टिकता भी मिलेगी।

कम बजट में घूमने की है योजना? इन 5 बातों का ध्यान रखकर करें प्लानिंग

अगर आप बजट में घूमने की योजना बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे आपका अनुभव सुखद और यादगार रहेगा। बजट में यात्रा करने से न केवल आपकी जेब पर भार नहीं पड़ेगा, बल्कि आपको नई जगहों का आनंद लेने और वहां की संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी मिलेगा। आइए जानते हैं कि बजट में घूमने के लिए क्या-क्या करना चाहिए।

यात्रा की योजना बनाएं

यात्रा की योजना बनाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तय करें कि आपको कहां जाना है और वहां कैसे पहुंचना है। अपने बजट का हिसाब रखें और देखें कि कौन सी सेवाएं आपके लिए सस्ती और सुविधाजनक हो सकती हैं। इसके अलावा यात्रा के दौरान क्या-क्या करना है, कहां ठहरना है और क्या-क्या देखना है, इसकी भी योजना बनाएं। इससे आपकी यात्रा सुचारू और मजेदार रहेगी।

स्थानीय परिवहन का उपयोग करें

बजट में यात्रा करने के लिए स्थानीय परिवहन का उपयोग करना अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल सस्ता होता है, बल्कि इसमें घूमने से आपको स्थानीय लोगों से मिलने और उनकी संस्कृति को जानने का मौका भी मिलता है। बस, ट्रेन या ऑटो रिक्शा जैसे साधनों का उपयोग करके आप नए अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय परिवहन से आपकी यात्रा अधिक रोमांचक और यादगार बन सकती है, जिससे आपको नई जगहों का असली मजा मिलेगा।

खाने-पीने पर ध्यान दें

यात्रा करते समय आपको हमेशा अच्छा और सस्ता भोजन करना चाहिए। होटल रेस्टोरेंट के बजाय स्थानीय ढाबों या सड़क किनारे मिलने वाले खाने का आनंद लें। इससे न केवल आपका खर्चा कम होगा, बल्कि आपको असली स्वाद और अनुभव भी मिलेगा। स्थानीय व्यंजनों का सेवन करके आप वहां की संस्कृति और जीवनशैली को करीब से जान सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय खाने से आपकी सेहत भी बेहतर बनी रहती है।

मुफ्त में घूमने वाली जगहों पर जाएं

हर शहर या देश में कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां जाने के लिए आपको पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती। इन जगहों पर जाकर आप वहां की प्राकृतिक सुंदरता, पुरानी धरोहर और सांस्कृतिक विविधता का आनंद ले सकते हैं। पार्क, संग्रहालय, पहाड़ या समुद्र तट जैसी जगहें आपकी बजट यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। इनसे न केवल आपका खर्चा बचेगा, बल्कि आपको नई जगहों की असली खूबसूरती देखने को मिलेगी।

समूह में यात्रा करें

अगर संभव हो तो समूह में यात्रा करें, जिससे आपके पैसे बच जाएंगे। इससे आपकी लागत कम आएगी, क्योंकि समूह में यात्रा करने पर आप होटल और गाड़ी आदि खर्चों को बांट सकते हैं। इसके अलावा समूह में यात्रा करने से आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है और साथ-साथ कई मजेदार अनुभव भी मिलते हैं।

यह तरीका न केवल आपकी जेब पर हल्का रहेगा, बल्कि यात्रा को और भी यादगार और रोमांचक बना देगा।

ट्रंप की धमकियों के बीच ईरान को मिला तालिबान का खुला साथ, अमेरिका के डर से पाकिस्तान की बोलती बंद

काबुल (आरएनएस) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर लगातार हमले की धमकियों ने खाड़ी देशों में भारी बेचैनी पैदा कर दी है। ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अगर ईरान के साथ बातचीत विफल होती है, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इन बढ़ते तनावों के बीच ईरान की पूर्वी सीमा पर एक दिलचस्प भू-राजनीतिक समीकरण उभर रहा है। जहां एक तरफ अफगान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने खुले तौर पर ऐलान किया है कि किसी भी विदेशी हमले की स्थिति में अफगानिस्तान के लोग अपने ईरानी भाइयों के साथ एकजुट होकर खड़े रहेंगे, वहीं दूसरी ओर खुद को मुस्लिम दुनिया का रहनुमा बताने वाला पाकिस्तान अमेरिका के खौफ से पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है।

ईरान की ढाल बनेगा अफगानिस्तान, तालिबान को मिल सकती है आधिकारिक मान्यता

तालिबान ने ईरान के प्रति अपना मजबूत समर्थन जताते हुए उसे हर तरह की मदद का भरोसा दिया है। अफगान प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने हालिया 12 दिनों की लड़ाई में ईरान की जीत का दावा करते हुए जोर दिया कि तेहरान भविष्य में किसी भी हमले से अपनी रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। इस कूटनीतिक गर्मजोशी का असर दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर भी साफ दिख रहा है। अफगानिस्तान में ईरान के राजदूत अलीरेजा बिकदेली ने हाल ही में संकेत दिया है कि तेहरान काबुल के साथ विभिन्न क्षेत्रों में रिश्ते मजबूत कर रहा है और तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने की राह में अब कोई बड़ी रुकावट नहीं बची है। रूस जैसे मजबूत सहयोगी द्वारा तालिबान को मान्यता दिए जाने के बाद, अब माना जा रहा है कि ईरान भी जल्द ही यह अहम कदम उठा सकता है।

आईएमएफ और अमेरिका की मोहताज पाकिस्तानी सत्ता की खामोशी के

क्या हैं मायने?

ईरान के साथ लंबी सीमा और ऐतिहासिक संबंधों के बावजूद पाकिस्तान का मौजूदा रुख सवालों के घेरे में है। अक्सर वैश्विक मंचों पर मुस्लिम उम्माह की रक्षा की बड़ी-बड़ी कसमें खाने वाले पाकिस्तानी हुक्मरान, जिनमें सेना प्रमुख आसिम मुनीर से लेकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तक शामिल हैं, इस समय अमेरिका के सामने बिल्कुल खामोश नजर आ रहे हैं। भू-राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान की इस चुप्पी के पीछे उसकी गहरी आर्थिक और कूटनीतिक मजबूरियां हैं। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में पाकिस्तान को गाजा के लिए बनाए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' में एक अहम जगह दी है, जिसे पाकिस्तान गंवाना नहीं चाहता। इसके अलावा, कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान को आईएमएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से बेलआउट पैकेज हासिल करने के लिए हर हाल में अमेरिकी समर्थन की दरकार है। अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने की इसी जद्दोजहद के कारण पाकिस्तान अमेरिका को नाराज कर ईरान के साथ खड़े होने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है।

खालिस्तानी निज्जर भी हमारे निशाने पर था, अमेरिकी एजेंसियों के सामने निखिल गुप्ता का बड़ा खुलासा

न्यूयॉर्क (आरएनएस) । खालिस्तानी समर्थक और कनाडा में मारे गए सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर को लेकर एक नया दावा सामने आया है। अमेरिकी एजेंसियों के समक्ष आरोपी निखिल गुप्ता ने कथित तौर पर यह दावा किया कि निज्जर संभावित निशानों में शामिल था।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी जांच एजेंसियों द्वारा दर्ज दस्तावेजों में कहा गया है कि निखिल गुप्ता ने पूछताछ के दौरान कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है।

गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर की जून 2023 में कनाडा के सरे शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई संसद में भारत सरकार के एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था।निखिल गुप्ता को अमेरिका में एक अलग मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक अन्य खालिस्तानी समर्थक की हत्या की साजिश का आरोप है। यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा है और भारत-कनाडा संबंधों पर भी इसका असर पड़ा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और संबंधित एजेंसियां तथ्यों की पड़ताल कर रही हैं।

बांग्लादेश में पुलिस हिरासत में आवामी लीग के फिर एक नेता की मौत

ढाका (आरएनएस) । बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं, लेकिन देश में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। बांग्लादेश में अवामी लीग के सदस्यों की हिरासत में मौत के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ताजा मामले में अवामी लीग के एक नेता की गाइबांधा जिला जेल में हिरासत में मौत हो गई। 60 साल के अवामी लीग के नेता का नाम शमीकुल इस्लाम है, जो पलाशबाड़ी उपजिला के अवामी लीग के अध्यक्ष थे। वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए और रविवार को रंगपुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। घटना की पुष्टि करते हुए, गैबांधा डिस्ट्रिक्ट जेल के हेड, मोहम्मद अतीकुर रहमान ने बताया कि अवामी लीग लीडर को पहले सदर हॉस्पिटल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए रंगपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

गैबांधा जेल के सूत्रों के हवाले से, बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने बताया कि 5 अगस्त, 2024 को अवामी लीग की सरकार के सत्ता से हटने के बाद शमीकुल के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए थे। उन्हें उसी साल 8 दिसंबर को ढाका में एक केस में गिरफ्तार किया गया था और वे लंबे समय तक जेल में रहे।

बाद में जमानत मिलने के बावजूद, उन्हें कथित तौर पर एक अन्य केस में फिर गिरफ्तार किया गया और पिछले साल जेल भेज दिया गया। इस घटना ने बांग्लादेश की जेलों में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों की हिरासत में मौतों की बढ़ती संख्या में इजाफा कर दिया है, जिससे मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समय में राजनीतिक दमन और टारगेटेड कार्रवाई के आरोप तेज हो गए हैं।

पाकिस्तानी सेना ने BLA लड़ाकों के सामने किया सरेंडर, घुटनों पर बैठे दिखे जवान; 7 दिनों का मिला अल्टीमेटम

क्वेटा (आरएनएस) । बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने हालिया कार्रवाई के दौरान सात पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को बंदी बना लिया है। संगठन ने इन सैनिकों को युद्धबंदी बताया है और उनकी रिहाई के बदले बलूच राजनीतिक कैदियों तथा कथित रूप से लापता व्यक्तियों की रिहाई की मांग की है। बीएलए ने पाकिस्तान सरकार को सात दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर बंदियों के खिलाफ तथाकथित बलूच नेशनल कोर्ट में कार्रवाई की जा सकती है। बीएलए के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि यह कार्रवाई बलूचिस्तान में चल रहे संघर्ष का हिस्सा है। संगठन का आरोप है कि क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा बलूच नागरिकों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाइयाँ की जा रही हैं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से इस दावे पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

लंदन में इकलौते मंदिर को बचाने हिंदू समाज ने लगाई पीएम मोदी से गुहार

लंदन (आरएनएस)। लंदन में भारत हिंदू समाज ने आरोप लगाया है कि पीटरबरो सिटी काउंसिल के कैबिनेट फैसले के बाद इकलौता हिंदू मंदिर और सामुदायिक केंद्र बंद होने जा रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एक मुस्लिम संस्था को उस जगह पर अधिकार दिया जा सकता है। हिंदू समुदाय ने पीएम मोदी से मंदिर को बचाने की गुहार लगाई है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीटरबरो सिटी काउंसिल की कैबिनेट ने अपने बजट को संतुलित करने में मदद के लिए इस स्थल को बेचने पर सहमति जताई। यह केंद्र पिछले 40 सालों से पूजा, सामाजिक सेवा और सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य स्थान रहा है और 35-40 मील के दायरे में यही एकमात्र हिंदू मंदिर है। समाज का कहना है कि इस फैसले से करीब 18 हजार हिंदू श्रद्धालु प्रभावित होंगे। यहां बुजुर्गों के लिए भोजन, बच्चों के लिए सांस्कृतिक शिक्षा और सामाजिक सहयोग जैसी सेवाएं दी जाती थीं।

जर्मनी में पाक आर्मी चीफ की फजीहत! गार्ड ने गेट पर रोककर कहा- 'आईडी कार्ड दिखाओ', वीडियो वायरल

जर्मनी (आरएनएस) । जर्मनी के म्यूनिख में पाकिस्तान की एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत हुई है। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने पहुंचे पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर को एंट्री गेट पर ही सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया। इस वाकये का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सुरक्षा अधिकारी मुनीर को अपना पहचान पत्र ठीक से दिखाने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। इस घटना की वजह से वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

गार्ड ने अपने बैज पर टैप कर दिया इशारा

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब आसिम मुनीर कॉन्फ्रेंस हॉल के प्रवेश द्वार की तरफ बढ़ रहे थे, तभी वहां मौजूद एक सुरक्षा अधिकारी ने उन्हें टोक दिया। अधिकारी ने मुनीर को निर्देश दिया कि वह अपना पहचान पत्र (आईडी

कार्ड) आगे की तरफ कर लें ताकि वह स्पष्ट रूप से दिखाई दे। बात को समझाने के लिए सुरक्षा अधिकारी ने खुद अपने बैज पर टैप किया और मुनीर को भी वैसा ही करने का इशारा किया। यह पूरी असहज करने वाली घटना मुख्य द्वार से महज कुछ कदम के फासले पर कैमरे में कैद हो गई। एक तरफ जहां गेट पर आर्मी चीफ को रोके जाने से किरकिरी हुई, वहीं दूसरी तरफ जर्मनी में मौजूद सिंधी राजनीतिक संगठन 'जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज' (JSMM) ने उनके इस कॉन्फ्रेंस में आमंत्रित किए जाने पर ही कड़ी आपत्ति जता दी। संगठन के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और पाकिस्तान में हो रहे कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। जेएसएमएम ने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने की अपील की है। जेएसएमएम के चेयरमैन शफी बुरफत ने इस मामले में संयुक्त राष्ट्र (UN), यूरोपीय संघ (E), जर्मन सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों को संबोधित करते हुए एक कड़ा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति के इतने बड़े मंच पर आसिम मुनीर की मौजूदगी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इससे उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। गौरतलब है कि म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस दुनिया के सबसे अहम सुरक्षा मंचों में गिना जाता है।

खेल समाचार

IPL के लिए वैभव सूर्यवंशी ने छोड़ी 10वीं की बोर्ड परीक्षा, राजस्थान रॉयल्स के कैंप में बहा रहे पसीना

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए सितारे और हाल ही में टीम इंडिया को अंडर-19 वर्ल्ड कप चैंपियन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी मैच विनिंग पारी से दुनियाभर के क्रिकेट फैंस का दिल जीतने वाले वैभव इस साल केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की 10वीं की परीक्षा में नहीं बैठेंगे। क्रिकेट के मैदान पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके वैभव का पूरा ध्यान फिलहाल आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन पर है और इसी अहम कमिटमेंट के कारण उन्होंने इस साल बोर्ड परीक्षाओं से दूरी बनाने का मन बना लिया है।

आईपीएल और डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट की तैयारियों में व्यस्त

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से 11 मार्च के बीच आयोजित होनी हैं, लेकिन वैभव इन दिनों अपने क्रिकेट कैंप में काफी व्यस्त चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह 23 फरवरी से शुरू होने वाले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में भी खेलते हुए नजर आ सकते हैं। यह टूर्नामेंट उनके लिए आईपीएल की एक मजबूत तैयारी साबित होगा। 26 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 के लिए वैभव राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी क्रम

का एक बेहद अहम हिस्सा माने जा रहे हैं। इसी जिम्मेदारी को देखते हुए वह इन दिनों नागपुर में फ्रेंचाइजी के प्री-सीजन कैंप में अपनी बैटिंग स्किल्स को और निखारने में लगे हुए हैं। वैभव के इस अहम फैसले पर उनके कोच और परिवार ने भी आधिकारिक तौर पर मुहर लगा दी है। कोच मनीष ओझा ने स्पष्ट किया है कि वैभव आईपीएल के आने वाले सीजन की तैयारियों में इतने व्यस्त हैं कि उनका बोर्ड परीक्षा में बैठना अब संभव नहीं है। वह पहले ही राजस्थान रॉयल्स के कैंप का हिस्सा बन चुके हैं। वहीं, मीडिया से बातचीत के दौरान वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने भी बताया कि उनके बेटे का एकमात्र फोकस अभी क्रिकेट और अपनी ट्रेनिंग पर है। उन्होंने साफ किया कि वैभव 17 फरवरी से शुरू होने वाली 10वीं की परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे, हालांकि वह अगले साल बोर्ड एग्जाम जरूर देंगे।

एडमिट कार्ड आ चुका था, लेकिन करियर को दी पहली प्राथमिकता

इस मामले में सबसे दिलचस्प बात यह है कि वैभव की परीक्षा की पूरी आधिकारिक तैयारी हो चुकी थी। वह जिस मॉडेस्टी स्कूल में पढ़ते हैं, वहां के डायरेक्टर आदर्श कुमार पिंटू ने जानकारी दी कि वैभव का एग्जाम फॉर्म समय पर जमा हो चुका था और उनका एडमिट कार्ड भी आ गया था। उनका परीक्षा केंद्र पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल निर्धारित किया गया था। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन की उनके पिता से बातचीत भी हुई थी। लेकिन क्रिकेट करियर के इस बेहद महत्वपूर्ण मोड़ को देखते हुए परिवार और खिलाड़ी ने आईपीएल की तैयारियों को ही अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता माना है।

रणजी ट्रॉफी 2025-26: केएल राहुल और देवदत्त पडिक्कल ने सेमीफाइनल में लगाए शतक

नईदिल्ली(आरएनएस) । भारतीय टेस्ट टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 नॉक-आउट में लगातार दूसरा शतक लगाया। उन्होंने उत्तराखंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के पहले दिन इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 141 रन की पारी खेली। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का 25वां शतक साबित हुआ। उनके अलावा कप्तान देवदत्त पडिक्कल (148*) ने भी शतकीय पारी खेली। कर्नाटक ने पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 355/2 का स्कोर बनाया।

राहुल ने नई गेंद के खिलाफ सावधानी से शुरुआत की। मयंक अग्रवाल (5) के जल्दी आउट होने के बाद उन्होंने कर्नाटक की पारी को संभाला। उन्होंने दूसरे सत्र के दौरान अपनी पारी को शतक में तब्दील किया। उन्होंने पडिक्कल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 278 रन की बड़ी साझेदारी की। राहुल 211 गेंदों में 141 रन बनाकर आउट हुए। अपनी पारी में उन्होंने 11 चौके और 5 छक्के भी लगाए।

राहुल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना 25वां शतक लगाया। राहुल ने अब तक 119 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं, जिसकी 207 पारियों में उन्होंने 8,800 से अधिक रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 337 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 41 अर्धशतक भी लगाए हैं। मौजूदा रणजी ट्रॉफी सीजन में उन्होंने 74.20 की औसत के साथ 371 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 2 शतक और एक अर्धशतक लगाया है।

पडिक्कल ने अपने प्रथम श्रेणी करियर का नौवां शतक लगाया। कर्नाटक ने जब 18 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट खोया था, तब पडिक्कल क्रीज पर आए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 53 मैच खेले हैं, जिसकी 89 पारियों में उन्होंने 3,500 से अधिक रन बनाए हैं। मौजूदा रणजी सीजन में उन्होंने 2 शतक अपने नाम किए हैं।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मयंक अगवाल दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद राहुल और पडिक्कल ने शतक लगाए। पहले दिन के खेल की समाप्ति तक कप्तान पडिक्कल 148 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद हैं। दूसरे छोर से करुण नायर 37 रन बनाकर नाबाद हैं। उत्तराखंड से आदित्य रावत ने 2 विकेट अपने नाम किए।

बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों का कमाल, भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हराकर सुपर 8 में किया क्वालीफाई

कोलंबो, (ए.)। टी-20 विश्व कप 2026 के 27वें मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 61 रन से हराते हुए सुपर-8 में अपनी जगह बनाई। कोलंबो में हुए मुकाबले में भारत ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए 175/7 का स्कोर बनाया, जिसमें ईशान किशन का अर्धशतक (77) शामिल रहा। जवाब में पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने निराश किया और टीम 18 ओवर में 114 पर सिमट गई। यह मौजूदा टूर्नामेंट में भारत की लगातार तीसरी जीत है। अभिषेक शर्मा (0) के विकेट के बाद तिलक वर्मा (25) और किशन ने टीम को संभाला। स्पिन के लिए मददगार नजर आ रही पिच पर कप्तान सूर्यकुमार यादव (32), शिवम दुबे (27) और रिंकू सिंह (11*) ने टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में पाकिस्तान ने 34 रन साहिबजादा फरहान (0), सैम अयूब (6), सलमान आगा (4) और बाबर आजम (5) के विकेट खो दिए। इसके बाद उस्मान खान (44) ने संघर्ष किया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपने लगातार दूसरे मुकाबले में खाता खोले बिना आउट हुए। क्रिकबज के अनुसार, अभिषेक अपने पहले 2 टी-20 विश्व कप मैचों (फुल मेंबर्स) में डक पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए। वह इस सूची में आशीष नेहरा और इमरुल कायेस के साथ शामिल हो गए। इस प्रारूप में अभिषेक के पिछले 6 स्कोर 0(4), 0(1), 30(16), 0(1), 68*(20), और 0(1) रन रहे हैं।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (ए.)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाडियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं। भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी-20 विश्व कप 2026: वेस्टइंडीज ने दर्ज की लगातार तीसरी जीत, सुपर-8 में बनाई जगह

नईदिल्ली(आरएनएस) । टी-20 विश्व कप 2026 के 25वें मुकाबले में वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 9 विकेट से जीत मिली। ये इस विश्व कप में उनकी लगातार तीसरी जीत है। इसके साथ ही उसने सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है। वहीं, नेपाल लगातार तीसरा मुकाबला हारकर सुपर-8 से बाहर हो गई है। नेपाल ने 133/8 का स्कोर बनाया था। जवाब में 1 विकट खोकर वेस्टइंडीज ने लक्ष्य हासिल कर लिया। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं।

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। नेपाल के लिए दिपेंद्र सिंह ऐरी (58) को छोड़कर और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। जवाब में कप्तान शाई होप (61) और शिमरोन हेटमायर (46) की शानदार पारियों के दम पर वेस्टइंडीज को आसान जीत मिल गई। उसने 15.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दीपेंद्र ने 47 गेंदों का सामना किया और 58 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 चौके और 3 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 123.40 की रही। उन्होंने सोमपाल कामी (26) के साथ मिलकर 26 गेंदों में 54 रन की साझेदारी निभाई। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 11वां और वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ पहला ही अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 44 गेंदों में पूरा किया। यह उनका टी-20 विश्व कप में भी पहला ही अर्धशतक रहा है।

भारतीय महिला टीम ने पहले टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को हराया, अरुंधति रेड्डी ने की घातक गेंदबाजी

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सिडनी में खेले गए पहले टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम को हराया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में सभी विकेट खोकर 133 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने जब 5.1 ओवर के बाद 50/1 का स्कोर बनाया था, तब बारिश के खलल के चलते मैच आगे नहीं हो पाया और आखिरकार डक वर्थ लुईस की बदौलत भारत को विजेता घोषित किया गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बेथ मूनी (5) और जॉर्जिया वोल (18) के रूप में शुरुआती झटके लगे। इसके बाद फीबी लिचफील्ड (26) और जॉर्जिया वेयरहम (30) ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। भारत की ओर से अरुंधति रेड्डी ने उम्दा गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट लिए। जवाब में भारत से शफाली वर्मा 11 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुई। बारिश से मैच रुकने तक स्मृति मंधाना (16) और जेमिमा रोड्रिगेज (9) क्रीज पर थी।

मां पार्वती स्वरूपा माता महाकाली और आदिदेव महादेव के शिव शक्ति मिलन के अनूठे अनुष्ठान में शामिल हुए 7 हजार श्रद्धालु

>>> नर्मदा तट से भगवान काले महादेव की पालकी यात्रा शिव बारात के रूप में पहुंची सतरस्ते

>>> पावन नगरी नर्मदापुरम में महाशिवरात्रि पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। मप्र ही नहीं पूरे भारत वर्ष में सिर्फ मां नर्मदा की पावन नगरी नर्मदापुरम में महाशिवरात्री की शुभवेला में सतरस्ते पर शिव शक्ति मिलन का अनूठा अनुष्ठान पूर्ण श्रद्धा भक्ति उल्लास उमंग और उत्साह के साथ मनाया जाता है। जिसके साक्षी बनने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उत्सुकता के साथ शामिल होते हैं। आदिदेव महादेव काले महादेव की बारात पालकी यात्रा के साथ गाजे बाजे के सहित जब सतरस्ते पहुंचती है तो माता महामहाकाली और महादेव के जयकारे से पूरा सात रास्ते वाला परिसर गुंजायमान हो जाता है। मंदिर के सामने के सातों रास्ते खचाखच श्रद्धालुओं के जनसमूह से सरावोर हो जाता है। यह आयोजन बीते करीब 5 वर्ष से सतरस्ता स्थित दक्षिणेश्वरी माता महाकाली दरबार के समक्ष हो रहा है। 3 वर्ष से भव्यता और विधिविधान से माता पार्वती स्वरूपा माता महाकाली को बीते नो दिनों से हल्दी चंदन, कुमकुम लगाते हुए श्रंगार किया जाता है। उधर दूसरी और बीते अनेक वर्षों से भगवान काले महादेव को भी महाशिवरात्रि की नौ रात्रि में हल्दी चंदन के उबटन व नाना प्रकार के द्वयों से श्रंगारित किया जाता है। महाशिवरात्रि पर नर्मदा तट के सेठानी घाट स्थित काले महादेव परिसर से विशाल पालकी यात्रा बारात के रूप में निकाली जाती है, गोधूली बेला में पार्वती स्वरूपा माता महाकाली और महादेव के विवाहोत्सव की रस्म निभाई जाती है। माता महाकाली के हाथों से लगाकर पुष्प माला पालकी में विराजमान महादेव को अर्पित की जाती है। शिव शक्ति के मिलन के इस पुनीत पावन क्षण के साक्षी हजारों श्रद्धालु बनते हैं। पालकी यात्रा में शामिल श्रद्धाजु का माता महाकाली समिति के द्वारा पुष्प वर्षा कर वधु पक्ष के रूप में जोरदार स्वागत वंदन अभिनंदन किया जाता है। मंदिर परिसर के हवन कुंड में दिव्य औषधियों से आहुतियां छोड़कर पाणिग्रहण के संस्कार की विधि की जाती है वरमाला अर्पित की जाती है। इस अवसर पर महादेव और माता महाकाली की आरती श्रद्धाभाव के साथ होती है।

पालकी में साफा बांधे महादेव लालजोड़े में माता महाकाली

ऐसा अद्भुत अलोकिक नजारा रहता है पालकी साफा बांधकर विराजमान, हाथी पर सवार होकर देवों के देव महादेव सतरस्ते पर जैसे ही पहुंचते हैं तव एक अलग ही अनुभूति होती है। सतरस्ते वाली माता महाकाली लाल जोड़े में दुल्हन बनी हुई हाथ में फूलों की माला लिए भोले बाबा की प्रतीक्षा करती हुई नजर आती हैं। इस मौके पर मंदिर के पुजारी आचार्य पं कृष्ण कुमार शुक्ला, पं आनंद शुक्ला के आचार्यत्व में पियूष शर्मा, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, नपाध्यक्ष नीतू यादव, पार्षद के साथ ही समिति के अध्यक्ष प्रकाश शिवहरे, पत्रकार बलराम शर्मा, समिति सदस्य प्रदीप शिवहरे नारायण वर्मा, सुनील राठौर, बसंत पांडेय, पवन शर्मा, नीरज मालवी, अतुल मौर्य, जयसिंह राजपूत, लकी ठाकुर, सोनू विश्वकर्मा, वरूण दीवान, नितिन मौर्य, उज्जवल सिंह, पियूष वर्मा, विनोद रैकवार, अशोक रैकवार, मयूर शिवहरे, नारी शक्ति में मधु शिवहरे, समता विनोदिया, शोभा भिलारे, क्षमता विनोदिया, बिनीता गढ़वाल, शीला रैकवार, रितु राठौर, मोनिका शिवहरे, कविता शिवहरे, विशाखा विनोदिया, सहित समिति के अनेक पदाधिकारी और सदस्य शामिल रहें। साथ ही जनप्रतिनिधि, प्रशासन, पुलिस बल मौजूद रहता है।

नर्मदापुरम में निःशुल्क आयुर्वेद एनोरेक्टल चिकित्सा शिविर सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन आयुष विभाग के तत्वावधान में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय, नर्मदापुरम में एक दिवसीय निःशुल्क एनोरेक्टल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ डॉ. एस.पी. वर्मा संभागीय अधिकारी, अनॉर्कटल सर्जन डॉ. राम सिन्हा एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस.आर. करोंजिया की उपस्थिति में भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्पित कर किया गया। शिविर में अर्श (बवासीर), भगंदर (Fistula), परिकार्तिका (Fissure) एवं अन्य गुदगत रोगों से पीड़ित 164 मरीजों की जांच की गई। विशेषज्ञ टीम में पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल से वरिष्ठ एनोरेक्टल सर्जन डॉ. राम सिन्हा, पीजी स्कॉलर डॉ. रवीन्द्र पाटिल, डॉ. गुंजन, डॉ. सोनाली एवं डॉ. शुभांगी शामिल थीं। जांच के बाद 98 मरीजों को क्षारसूत्र शल्यकर्म के लिए चयनित किया गया, जिनकी निःशुल्क सर्जरी 23 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान, भोपाल में की जाएगी। इन मरीजों को 22 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक भर्ती होकर उपचार प्राप्त करने के लिए बुलाया गया है।शिविर का निरीक्षण संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. एस.पी. वर्मा ने किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. एस.आर. करोंजिया के मार्गदर्शन में शिविर नोडल अधिकारी डॉ. ए.के. पुष्कर, डॉ. सविता पुष्कर, डॉ. ललिता उइके, डॉ. मिथिलेश उइके, डॉ. संदीप रघुवंशी तथा पैरामेडिकल स्टाफ ने सफल आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

केबिनेट मंत्री को श्री चित्रगुप्त मंदिर प्राणप्रतिष्ठा में आने का दिया न्योता

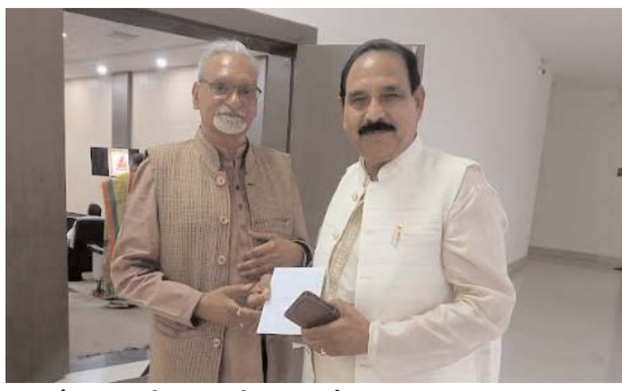

नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के नेतृत्व में भोपाल में नर्मदापुरम कायस्थ महासभा का प्रतिनिधि मंडल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष केबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव नीलू, प्रांतीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, दैनिक क्षितिज किरण के प्रधान संपादक कृष्णकांत सक्सेना ब्यूरो चीफ विलक्षण सक्सेना से शनिवार को मुलाकात कर 25 फरवरी 2026 को भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित होने हेतु आमंत्रित किया । सभी अतिथियों ने प्रतिनिधि मंडल से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं नर्मदापुरम कायस्थ महासभा को अग्रिम बधाई शुभकामनाएं दी एवं सभी ने उपस्थित होने का आश्वासन दिया । प्रतिनिधि मंडल में महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अजय निगम शामिल हुए।

दादागुरु द्वारा जारी मां नर्मदा परिक्रमा सेवा यात्रा का आगमन शीघ्र

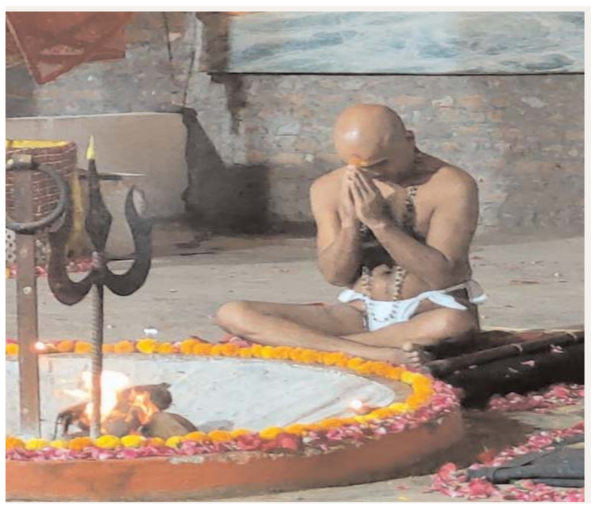

परिक्रमा यात्रा जमात के स्वागत की तैयारी को लेकर बैठक आज

नर्मदापुरम (निप्र)। दादागुरु की मां नर्मदा परिक्रमा सेवा यात्रा का आगमन शीघ्र ही नर्मदापुरम नगर में होने वाला है। तैयारियो सम्बंधित चर्चा हेतु आज मंगलवार को शाम 5.30 बजे श्री दादाकुटी में एक अति आवश्यक बैठक आयोजित की जा रही है। दादा कुटी परिवार से जुड़े एवं नर्मदा मिशन के श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया है कि बैठक में अवश्य पधारें ताकि कार्यकम की रुपरेखा विधिवत बनाई जा सकें। सभी की सलाह व सहयोग से नर्मदापुरम नगर का यह पवित्र आयोजन हर वर्ष अपनी गरिमा के साथ सम्पन्न होता है। बीते वर्षों की तरह दादागुरु अपनी भव्य जमात के साथ मां नर्मदा की परिक्रमा यात्रा का पावन आगमन हो रहा है।

ई-ऑफिस प्रणाली के सफल क्रियान्वयन में नर्मदापुरम जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश में शासकीय कार्यालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को लागू करने एवं इसके सफल क्रियान्वयन में नर्मदापुरम जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस दिशा में जिले ने प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। जिला सूचना अधिकारी मनीष गुणवान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जिले में अब तक 21882 से अधिक ई-फाइलों का सृजन किया जा चुका है तथा 1,12,359 से अधिक ई-फाइलों का आदान-प्रदान प्रमुख शासकीय कार्यालयों के मध्य किया गया है। इसके अतिरिक्त 51629 ई- रिसिप्ट को सृजित किया गया है। 3,33,568 ई-रिसिप्ट का आदान प्रदान हुआ है।वर्तमान में जिले के 51 शासकीय कार्यालयों को ई-ऑफिस प्रणाली पर ऑनबोर्ड कर लिया गया है। साथ ही 22 विकासखंड स्तरीय कार्यालय तथा कलेक्टर कार्यालय के 38 क्षेत्र भी ऑन बोर्ड किए गए हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 111 यूनिट ऑनबोर्ड की गई है। साथ ही 1061 उपयोगकर्ताओं को ई-ऑफिस में ऑनबोर्ड किया गया है। इन कार्यालयों में अब पारंपरिक कागजी फाइलों के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से फाइलों और पत्रों का संप्रेषण किया जा रहा है।उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देश अनुसार जिले के समस्त मुख्य कार्यालय का संचालन ई ऑफिस प्रणाली से किया जा रहा है। जिले में अब तहसील, अनुविभागीय कार्यालय, सहित जनपद पंचायत कार्यालयों में भी ई-ऑफिस प्रणाली से ही कार्यालयीन कार्य किया जा रहा है। ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन से कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई एवं कार्य कुशलता में वृद्धि हुई है, जिससे शासन की योजनाओं का त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो रहा है।

नर्मदापुरम विधायक की अनुशंसा पर 09 हितग्राहियों हेतु 87 हजार 500 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम(ए.)। नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा विधायक स्वेच्छानुदान निधि से नर्मदापुरम के 09 हितग्रहियों के लिए 87 हजार 500 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर विधायक स्वेच्छानुदान निधि से हर्ष तिवारी नर्मदापुरम को 20 हजार रूपये, विशेष बावरिया वार्ड क्र. 11 मालाखेडी नर्मदापुरम को 15 हजार रूपये,अमित पाराशर आनंद नगर नर्मदापुरम, श्रीमति प्रीति मेवारी गिन्नी कम्पाउंड नर्मदापुरम एवं यश मालवीय वार्ड क. 11 मालाखेडी नर्मदापुरम को क्रमशः 10-10 हजार रूपये, अंकित कुमार चौकसे नर्मदापुरम को 07 हजार 500 रूपये, तथा रोहित वर्मा वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम, दीपक कुमार यादव वार्ड क. 11 मालाखेडी नर्मदापुरम तथा सतीश वर्मा वार्ड क. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम को क्रमशः 05-05 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिला स्तरीय अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

घर-घर डेटा संग्रहण के लिए अधिकारियों को किया गया प्रशिक्षित

मोबाइल एप के माध्यम से होगा डिजिटल सर्वे, अधिकारियों ने सीखी कार्यप्रणाली

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जनगणना 2027 की आवश्यक जानकारी से जिला एवं चार्ज स्तर के अधिकारियों हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को भारत की जनगणना के संबंध में संक्षिप्त परिचय एवं नीति निर्माण सहित जनगणना 2027 के मुख्य बिंदुओं एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा सभा कक्ष में उपस्थित जिले के समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को प्रक्रिया में आंकड़ों की सटीकता के महत्व आदि की जानकारी से विस्तार पूर्वक प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना 2027 के दौरान डेटा संग्रह और उसके जांच की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। बताया गया कि आंकड़ा संग्रहण करने के लिए प्रगणक द्वारा घर-घर जाकर स्वयं के मोबाइल फोन में एप के माध्यम से जानकारी एकत्रित करना तथा स्वगणना (एसई) पोर्टल के माध्यम से जानकारी का एकत्रीकरण किए जाने के संबंध में भी अवगत कराया गया। स्वगणना पोर्टल के माध्यम से नागरिक जानकारी अपडेट कर सकेंगे जिसे बाद में प्रगणक द्वारा सत्यापित कर सबमिट किया जाएगा। इसी प्रकार प्रशिक्षण के दौरान जनगणना संभाग प्रभारी श्रीमती अनामिका जैन एवं जिला प्रभारी सुश्री आयुषी द्वारा उपस्थित अधिकारियों को प्रगणक और पर्यवेक्षक के कार्य प्रवाह के संबंध में भी विस्तार पूर्वक समझाया गया। उन्होंने बताया कि पूरी जनगणना प्रक्रिया के दौरान प्रशिक्षण, एचएलबी की पहचान तथा लेआउट मैप, डाटा संग्रहण एवं सत्यापन, डाटा सिंक एवं पर्यवेक्षण तथा समापन और प्रमाणन प्रक्रिया का अनुपालन किया जायेगा।

बैठक के दौरान प्रगणकों के मुख्य कर्तव्य से भी उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराया गया जिसमें प्रशिक्षण, मोबाइल एप के उपयोग, मकान सूचीकरण, एचएलबी का लेआउट तैयार करना, एचएलओ एप के माध्यम से डाटा एकत्रित करना सहित पूर्ण कवरेज सुनिश्चित करने जैसे घटकों की जानकारी दी गई। इसी प्रकार पर्यवेक्षकों के मुख्य कर्तव्य से अवगत कराते हुए बताया गया कि सुपरवाइजर ऐप और फील्ड निरीक्षण के माध्यम से प्रगणक के डेटा की निगरानी,फील्ड कार्य के दौरान प्रगणक को इस कार्य से सम्बंधित कोई समस्या आए तो उसका निराकरण जैसी अन्य जानकारी भी प्रदाय की गई। प्रशिक्षण के दौरान एडीएम राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी सहित समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, चार्ज जनगणना अधिकारी (तहसीलदार), (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) चार्ज जनगणना अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी उपस्थित रहे।

रेत का उत्खनन करते 02 पनडुब्बी एवं रेत, मुरुम का अवैध परिवहन करते 06 वाहन जप्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन / परिवहन / भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा शनिवार को सिवनीमालवा तहसील के ग्राम-डिमावर/ बाबरी में सीहोर जिले की ओर से लगाये गये दो पनडुब्बी मशीन को जप्त कर पुलिस थाना शिवपुर की अभिरक्षा में रखा गया है। सोहागपुर तहसील में रेत का अवैध परिवहन करते 04 ट्रेक्टर ट्राली, बनखेड़ी तहसील में 01 ट्रेक्टर ट्राली एवं डोलरिया तहसील में मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 01 डम्पर जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। उक्त कार्यवाही में विजय राय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनीमालवा, जय सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नर्मदापुरम, दिवेश मरकाम, जिला खनि अधिकारी नर्मदापुरम, पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक नर्मदापुरम, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनि निरीक्षक नर्मदापुरम एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा।

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) नर्मदापुरम

क्रमांका/आ0वि0/नि02026/ नर्मदापुरम दिनांक

::: ई-निविदा विज्ञप्ति :::

निविदा आमंत्रण सूचना (आन लाईन ई-निविदा प्रथम आमंत्रण)

म0प्र0 के राज्यपाल की ओर से जिले में संचालित छात्रावासो/आश्रमों/शैक्षणिक संस्थाओं में सुदृणीकरण कार्यो/मरम्मत कार्यो हेतु आनलाईन प्रतिशत दर निविदायें फार्म "ए" पर लोक निर्माण विभाग की केंद्रीयकृत प्रणाली में समतुल्य/सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की भवन निर्माण एवं विद्युत कार्य हेतु प्रचलित दर सूची दिनांक 01.01.2024 से प्रचलित प्रभावशील पर कार्यालय सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम म0प्र0 द्वारा ऑनलाईन पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये	कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	2026_TAD_ 481174	जिले के विकासखण्ड सोहागपुर/पिपरिया/ बनखेडी अंतर्गत संचालित अनुसूचित जाति/ जनजाति के छात्रावासों/आश्रमों एवं शैक्षणिक संस्थाओं/आवासीय विद्यालयों में विभाग द्वारा प्रदाय विभिन्न मदअंतर्गत वार्षिक मरम्मत कार्य, सुदृणीकरण,कार्य अनुरक्षण कार्य,लघु निर्माण कार्य(वाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य,अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, शौचालय एवं स्नानागार निर्माण कार्य नकूप खनन कार्य) अन्य कार्य	95.00	95,000/-	10,000/-	365 दिवस	"स" श्रेणी के ठेकेदार या उससे उपर
2	2026_TAD_ 481176	जिले के विकासखण्ड बाबई/सिवनीमालवा/ नर्मदापुरम अंतर्गत संचालित अनुसूचित जाति /जनजाति के छात्रावासों/आश्रमों एवं शैक्षणिक संस्थाओं/आवासीय विद्यालयों में विभाग द्वारा प्रदाय विभिन्न मद अंतर्गत वार्षिक मरम्मत कार्य,सुदृणीकरण,कार्य अनुरक्षण कार्य,लघु निर्माण कार्य(वाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य, अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, शौचालय एवं स्नानागार निर्माण कार्य नलकूप खनन कार्य) अन्य कार्य	95.00	95,000/-	10,000/-	365 दिवस	"स" श्रेणी के ठेकेदार या उससे उपर

उपरोक्त कार्य के निविद प्रपत्र (टेंडर डाक्यूमेंट) https.//www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय एवं प्रस्तुत किए जा सकेंगे। निविदा प्रपत्र क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 21.02.2026 सायं 6.00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत सूचना व जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती।

जी/25904/25

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य नर्मदापुरम

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com